

**DAV PUBLIC SCHOOL, KURUKSHETRA****CLASS VIII****SUBJECT -SCIENCE****CH. 7 COMBUSTION ASSIGNMENT****I. ANSWER THESE MCQs:-**

- Q1 CNG and LPG are the examples of  
a. Solid fuels                      b. Liquid fuels                      c. Gaseous fuels                      d. They are not fuels
- Q2 There are zones of a flame  
a. Two                                      b. Three                                      c. Four                                      d. No any zone
- Q3 Ignition temperature is  
a. Lowest temperature at which combustible material catch fire  
b. Higher temperature at which combustible material catch fire  
c. Any temperature at which combustible material catch fire  
d. None of these
- Q4 Incomplete combustion of carbon fuel in insufficient supply of oxygen will produce  
a. Carbon dioxide                                      b. Nitrogen dioxide  
c. Carbon monoxide                                      d. All of these
- Q5 The burning of LPG is an example of  
a. rapid combustion                                      b. spontaneous combustion  
c. slow combustion                                      d. explosion
- Q6 A temperature at which the substance burn's is called  
a. melting                                      b. boiling temperature  
c. kindling temperature                                      d. evaporation
- Q7 The amount of heat energy produced on complete combustion of 1 kg of a fuel is called,  
a. calorific value                                      b. significant value  
c. heat value                                      d. internal energy



**V. ANSWER FOLLOWING QUESTIONS:-**

## Question 1

Give reasons.

1. Water is not used to control fires involving electrical equipment.
2. LPG is a better domestic fuel than wood.
3. Paper by itself catches fire easily whereas a piece of paper wrapped around an aluminium pipe does not.

It is difficult to burn a heap of green leaves but dry leaves catch fire easily. Explain.

## Question 2

In an experiment 4.5 kg of a fuel was completely burnt. The heat produced was measured to be 1,80,000 kJ. Calculate the calorific value of the fuel.

**VI. DIAGRAM BASED Q/A**

Different zones of a candle flame are marked by the letters P, Q, R and S



Which of the following statements are correct?

- i) P is the luminous zone and is the hottest part of candle flame.
- ii) In zone Q, there is inadequate supply of oxygen.
- iii) Zone R contains unburnt wax vapours produced by melting of wax.
- iv) In S zone, carbon monoxide burns with a blue flame.

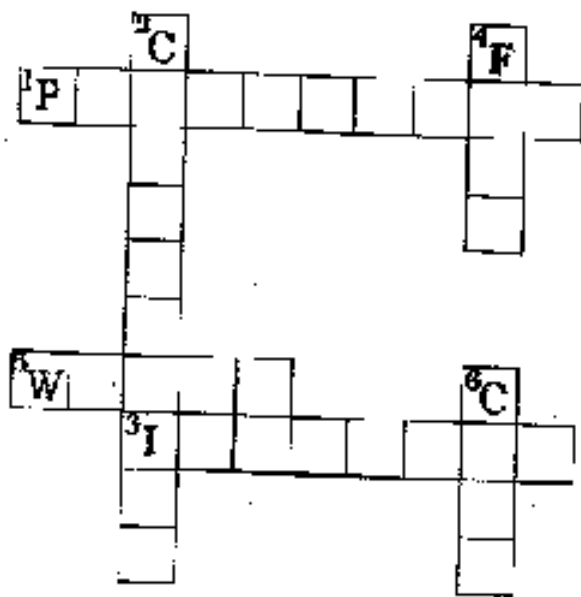
A) (i) and (ii) only

B) (ii), (iii) and (iv) only

C) (ii) and (iv) only

D) (i), (ii) and (iii) only

**VII Complete the crossword Fig. with the help of the clues:**



**Across**

1. Non-metal which catches fire if exposed to air (10)
3. The lowest temperature at which a substance catches fire is called its temperature. (8)
5. The most common fire extinguisher. (5)

**Down**

2. A chemical process in which a substance reacts with oxygen to give off heat. (10)
3. Petrol is used as a in automobiles. (4)
6. It is as hard as stone and black in colour. (4)

## धर्म शिक्षा कक्षा आठवीं

### Ist Term (अप्रैल से सितम्बर)

- प्र.1 "जयति ओ३म् ध्वज व्योम बिहारी" गीत किस झंडे को फहराने पर बोला जाता है?  
उ. ओ३म् के झंडे को।
- प्र.2 'साम्य सुमन विकसाने वाला' का क्या अभिप्राय है?  
उ. ओ३म् सभी प्राणियों में फूल के समान समानता का भाव विकसित करने वाला है।
- प्र.3 'इसके नीचे बड़े अभय मन' का क्या अभिप्राय है?  
उ. ओ३म् ध्वज के नीचे आकार मन निडर हो जाता है।
- प्र.4 वेद ज्ञान के घर-घर में भर जाने से क्या लाभ होगा?  
उ. वेद ज्ञान के घर-घर में भर जाने से संसार में अच्छी शंति फैल जाएगी।
- प्र.5 आर्यजनों का अटल निश्चय क्या होना चाहिए?  
उ. आर्यजनों का अटल निश्चय सम्पूर्ण संसार को आर्य (श्रेष्ठ) बनाने का होना चाहिए।
- प्र.6 भगवान का सर्वश्रेष्ठ नाम क्या है?  
उ. भगवान का सर्वश्रेष्ठ नाम ओ३म् है।
- प्र.7 वाणी में पवित्रता कैसे आती है?  
उ. वाणी में पवित्रता ओ३म् के जप से आती है।
- प्र.8 जगत् का अनुपम आधार कौन है?  
उ. जगत् का अनुपम आधार ओ३म् है।
- प्र.9 मानव के मन मंदिर की ज्योति का प्रकाश पुंज कौन है?  
उ. मानव के मन मंदिर की ज्योति का प्रकाश पुंज ओ३म् है।
- प्र.10 ओ३म् नाम को प्राप्त कर लेने से मनुष्य की कैसी निष्ठा बन जाती है?  
उ. ओ३म् नाम को प्राप्त कर लेने से मनुष्य की ऐसी निष्ठा बन जाती है कि वह लाख कार्यों को छोड़कर ओ३म् नाम के जप में मग्न हो जाता है।
- प्र.11 ओ३म् शब्द की व्याख्या कीजिए?  
उ. ओ३म् शब्द के तीनों अक्षर (अ, उ, म) सृष्टि के आदि, मध्य और अंत के द्योतक हैं। ओ३म् ने ही सृष्टि को उत्पन्न किया है, वही इसका पालन करता है और अन्त में वही इसे समेट लेता है। सृष्टि उत्पत्ति के समय जो नाद (ध्वनि) हुआ वह ओ३म् था। सारे शास्त्रों ने ओ३म् को ही परमेश्वर का निज नाम दर्शाया है।
- प्र.12 गुरु नानक देव जी ने ओ३म् को क्या कहा है?  
उ. गुरु नानक देव ने ओ३म् के विषय में कहा है कि "एक ओंकार सत् नाम कर्ता पुरख"।
- प्र.13 ओ३म् नाम का महत्व स्पष्ट कीजिए?  
उ. सारे शास्त्रों ने ओ३म् को ही परमात्मा का निज नाम दर्शाया है। ओ३म् सारे संसार का प्राण है। सृष्टि उत्पत्ति के समय सबसे पहला जो नाद हुआ वह ओ३म् था। ओ३म् के जप से वाणी में पवित्रता आती है। मनुष्य की सभी शुभ कामनाएँ पूर्ण

ही जाती हैं। ओ३म् नाम भगवान् का सर्वानन्द निधान (स्वभाव) है। मानव के मन मंदिर की ज्योति का प्रकाश है। ओ३म् के रूप से मात्स्य जीवन संग्राम में कभी भी निराश नहीं होता।

प्र.14 अनादि नाद कौन सा है जिसके विषय में विवाद नहीं है ?

उ. ओ३म्।

प्र.15 "ओ३म्" इस अनादि नाद को कौन नहीं भूलते ?

उ. पूण्य लोग, साधु, ऋषि-मुनि, सज्जन, योगी लोग ओ३म् को कभी नहीं भूलते।

प्र.16 वेद को प्रमाण मानने वाले किसका मान करते हैं ?

उ. वेद को प्रमाण मानने वाले ओ३म् का मान करते हैं।

प्र.17 ओ३म् का त्याग कौन करते हैं ?

उ. ओ३म् का त्याग रोमी, पत्नी, अर्धी, अशक्त, नूर्ख लोग करते हैं।

प्र.18 मुक्ति पाने का साधन यहाँ क्या बताया गया है ?

उ. मुक्ति पाने का साधन यहाँ शंकर, शिव, ब्रह्म व किष्कु अदि नामों का स्मरण व जप करना बताया गया है।

प्र.19 ओ३म् का जप ध्यान आदि कौन करते हैं ?

उ. ओ३म् का जप व ध्यान गुणो, सज्जन, साधु और स्वर्ग का भोग करने वाले करते हैं।

प्र.20 गायत्री की महिमा का वर्णन कौनसे ?

उ. गायत्री की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है कि समस्त दुखों के अघार सागर से पार करने वाली गायत्री है। इसीलिए इसको पाप निवारणो, दुख-हरणी, त्रिलोक तारणी कहते हैं। गायत्री मन्त्र का जप आपत्ति काल के संकटों को दूर करने का सामर्थ्य रखता है और आत्मोन्नति के लिए उपयोगी है।

प्र.21 सविता शक्ति द्वारा मानवो पुरुषार्थ के बारे में लिखिए।

उ. जिस प्रकार परमात्मा अपनी सविता शक्ति द्वारा सुप्त प्रकृति को प्रेरणा करके सृष्टि को रच देता है इसी प्रकार परमात्मा को 'सविता' नाम से पुकारने वाले साधक का भी वर्तव्य हो जाता है कि वह अपने आपको और दूसरों को प्रेरणा करके अज्ञान की निदा को दूर करे और सब मनुष्यों को ईश्वर भक्त, वेद भक्त और ज्ञानता तपस्यु का सेवक बनने का प्रयत्न करें।

प्र.22 गायत्री मन्त्र के जप की विधि, समय तथा जप के स्थान को बताएँ।

उ. गायत्री मन्त्र का जप प्रातः स्नान करके तथा रात्रि में सोने से पूर्व करना अधिक उपयोगी है। जप का स्थान पवित्र एवं शान्त होना चाहिए।

प्र.23 महात्मा गाँधी के गायत्री के विषय में विचार लिखिए।

उ. हृदय से किया गया जप आपत्तिकाल के संकटों को दूर करने का सामर्थ्य रखता है और आत्मोन्नति के लिए उपयोगी है।

प्र.24 स्वामी विरजानन्द को और महात्मा अनन्द स्वामी को प्राप्त हुए गायत्री जप के फल को उल्लेख कीजिए।

उ. स्वामी विरजानन्द जो को गायत्री मन्त्र से सिद्धि की प्राप्ति हुई थी तथा महात्मा अनन्द स्वामी को गायत्री मन्त्र से बुद्धि निखरने लगी। वे प्रतिदिन उन्नति करने लगे। कक्षा में प्रथम अने लगे और अन्त तक गायत्री के जप से सदा भाग्य ही बढ़ते गए।

प्र.25 संस्कृत साहित्य किस भाषा में लिखा गया है ?

उ. संस्कृत साहित्य संस्कृत भाषा में लिखा गया है।

- प्र.26 संसार की समस्त परिष्कृत भाषाओं में कौन सी भाषा प्राचीनतम है ?  
 उ. संसार की समस्त परिष्कृत भाषाओं में संस्कृत भाषा प्राचीनतम है ?
- प्र.27 संस्कृत का मौलिक अर्थ क्या है ?  
 उ. संस्कृत का मौलिक अर्थ है - संसार को गई भाषा ।
- प्र.28 संस्कृत भाषा और भारतवासियों का माता और पुत्र का सा संबंध किस प्रकार है ?  
 उ. संस्कृत भाषा और भारतवासियों का माता और पुत्र का सा संबंध इस प्रकार है कि उसमें माता के मृदुलता और मधुरता और मधुरता समाई हुई है। संस्कृत भाषा सभी भाषाओं से प्राचीन है, अतः संस्कृत भाषा अन्य भाषाओं को अपनी (माँ) है। संस्कृत भाषा माता को समान हमारी तथा हमारे अस्तित्व की रक्षा करती है।
- प्र.29 संस्कृत साहित्य के किन्हीं दो ग्रन्थों और लेखकों के नाम लिखिए ?  
 उ. संस्कृत साहित्य के प्रथम ग्रन्थ रामायण के लेखक महर्षि वाल्मीकि तथा दूसरे महाभारत के लेखक महर्षि वेद व्यास जी हैं।
- प्र.30 अर्थशास्त्र के लेखक का नाम लिखिए ?  
 उ. अर्थशास्त्र के लेखक का नाम कौटिल्य अर्थात् चाणक्य है।
- प्र.31 गुरु गोविन्द सिंह जी ने संस्कृत को क्या दिया है ?  
 उ. गुरु गोविन्द सिंह जी ने संस्कृत को बड़े भक्त थे। उन्होंने अपने कुछ शिष्यों को संस्कृत पढ़ने काशी भेजा था। उनका दशम ग्रन्थ यद्यपि हिन्दी में है किन्तु संस्कृत के ज्ञान के बिना उसे अच्छी तरह समझ पाना असंभव है। गुरु जी के संस्कृत प्रेम के कारण ही प्रत्येक सिख रियासत में संस्कृत की निःशुल्क पाठशालाएँ चलती रही।
- प्र.32 हमें संस्कृत भाषा का अध्ययन क्यों करना चाहिए ?  
 उ. भारत की समस्त भाषाओं का स्रोत संस्कृत भाषा है। संस्कृत के भंडार से ही विभिन्न भाषाओं के शब्द निकले हैं और निकलते जा रहे हैं। समस्त प्राचीन साहित्य, वेद, ब्राह्मण, उपनिषद्, दर्शन, धार्मिक ग्रन्थ और इतिहास आदि संस्कृत का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। संस्कृत भाषा नियम में चलने के कारण सीखने में किसी दूसरी भाषा की अपेक्षा अधिक सरल है। हमें संस्कृत भाषा का अध्ययन इसीलिए अवश्य करना चाहिए।
- प्र.33 संस्कृत किनकी भाषा है ?  
 उ. संस्कृत केवल हिन्दुओं की भाषा है, या संस्कृत साहित्य केवल हिन्दु साहित्य है ऐसा कतना गलत होगा। संस्कृत भाषा और संस्कृत मानव मात्र की भाषा है और सारे संसार का साहित्य है।
- प्र.34 क्या संस्कृत विश्वभाषा बन सकती है ? कैसे ?  
 उ. संसार के विद्वान् यह मानने लगे हैं कि कम्प्यूटर के लिए भी सबसे सरल और उपयुक्त भाषा संस्कृत ही है। यदि ऐसा हो जाए तो संस्कृत आज भी विश्वभाषा बन सकती है।
- प्र.35 राजर्षि टंडन अंग्रेजी के लिए पन्द्रह वर्ष की छूट देना क्यों नहीं चाहते थे ?  
 उ. राजर्षि टंडन अंग्रेजी के लिए पन्द्रह वर्ष की छूट इसीलिए देना नहीं चाहते थे क्योंकि वे जानते थे कि पन्द्रह वर्षों की अवधि समाप्त होने पर भी पंडित नेहरू हिन्दी को राष्ट्र भाषा नहीं बनने देंगे। पं. नेहरू 15 वर्ष तक अंग्रेजी बोलने रखने की इत्थानी गई। तत्पश्चात् राजर्षि टंडन और बाल कृष्ण शर्मा स्वर्गवासी हो गए। नेहरू जी ने अंग्रेजी बोलने रखने का विशेषक लोक सभा में पास कराया। हुआ वही जिसकी राजर्षि टंडन को आशंका थी।

प्र.36 आज देश में हिन्दी को जो स्थान प्राप्त है उसकी समीक्षा करें ?

उ. आज देश में हिन्दी भाषा को राष्ट्रभाषा है किन्तु उसे वह अधिकार नहीं मिल पा रहा जिसकी वह अधिकारिणी है। आज हिन्दी न जानने वाला व्यक्ति देश का प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति बन सकता है लेकिन अंग्रेजी न जानने वाला हिन्दी पढ़ा लिखा व्यक्ति उनका नौकर भी नहीं बन सकता। बस नाम मात्र के लिए राष्ट्रभाषा है।

प्र.37 गुरु गोविन्द सिंह ने हिन्दी के लिए क्या किया ?

उ. गुरु गोविन्द सिंह जी ने खालसा पन्थ में दीक्षित होने वाले अपने अनुयायियों को जो जय घोष प्रदान किया वह सारे देश के विचार से हिन्दी में था। और आज भी हिन्दी में ही लगाया जाता है। "वाहे गुरु जी का खालसा, वाहेगुरु जी की फतेह"। गुरु जी का दशम ग्रन्थ भी जफर नाम छोड़कर हिन्दी में ही है।

प्र.38 महर्षि दयानन्द से हिन्दी अपनाने का आग्रह किसने किया ?

उ. महर्षि दयानन्द से हिन्दी अपनाने का आग्रह ब्रह्मसमाज के नेता केशवन्द सेन ने किया।

प्र.39. महात्मा गाँधी ने बी.बी.सी. को भारत के आजाद होने पर अपना संदेश प्रसारित करने के लिए क्यों नहीं दिया ?

उ. देश के आजाद होने पर बी.बी.सी. लंदन के अधिकारी गाँधी जी से ऐसा संदेश लेने पहुँचे थे जिसे वे रेडियो पर सुना सकें। उन दिनों बी.बी.सी. से कार्यक्रम हिन्दी में प्रसारित नहीं होते थे। परिणाम यह हुआ कि महात्मा गाँधी ने कोई संदेश न देते हुए यह कहकर लौटा दिया कि दुनिया को भूल जाना चाहिए कि गाँधी अर्थात् भारत अंग्रेजी जानता है। महात्मा गाँधी नहीं चाहते थे कि स्वतंत्र भारत का संदेश विदेशी भाषा में दिया जाए।

प्र.40 चार प्रकार के कर्म कौन से हैं ? उनके नाम और स्वरूप बताओ ?

उ. शास्त्रों में चार प्रकार के कर्म बताए गये हैं।

1) नित्य कर्म	2) नैमित्तिक कर्म
3) काम्य कर्म	4) निषिद्ध कर्म

नित्य कर्म : प्रतिदिन किए जाने वाले कर्म को नित्यकर्म कहते हैं। किसी निमित्त या कारण से किए जाने वाले कर्म अर्थात् एव, उत्सव, संस्कार आदि नैमित्तिक कर्म है। कामनाओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले कर्म काम्य कर्म कहे जाते हैं। कर्म के ये पहले तीनों भेद शुभ कर्म के हैं। अशुभ कर्म निषिद्ध कर्म कहे जाते हैं। गौ हत्या, धोखा, देश द्रोह आदि निषिद्ध कर्म हैं।

प्र.41. पंच महायज्ञ कौन-कौन से हैं ? उनका सम्बन्ध किस प्रकार के कर्म से है ?

उ. पंच महायज्ञ निम्नलिखित हैं - ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, अतिथियज्ञ, बलिबैरव देव यज्ञ।

प्र.42 ब्रह्मयज्ञ से क्या अभिप्राय है ? इसे किस प्रकार किया जाता है ?

उ. ब्रह्मयज्ञ का अर्थ है सन्ध्या, प्रातः-सायं ठीक प्रकार स्नान करके आत्मा तथा परमात्मा का चिन्तन करना, ध्यान में बैठ जाना और ध्यान मान होकर ईश्वर के ओम् अथवा किसी अन्य नाम का उसमें लीन होकर जप करना।

प्र.43. देवयज्ञ में अग्नि के कितने रूप हो जाते हैं ?

उ. देवयज्ञ में अग्नि के तीन रूप हो जाते हैं। एक रूप तो वह राख है जो अग्नि शांत हो जाने क पश्चात् हवन कुंड में रह जाती है। दूसरा रूप इसकी सुगंध और इन वस्तुओं का गुण है जो आहुति में सम्मिलित था। आहुति का तीसरा रूप इससे भी सूक्ष्म हो जाता है। यह रूप यज्ञ करने वाले के हृदय में जाकर उसके सूक्ष्म शरीर से लिपट जाता है तो सूक्ष्म शरीर आत्मा के साथ लिपट हुआ है।



प्र.44 देवयज्ञ पर्यावरण से किस प्रकार संबंधित है ?

उ. वेद मंत्रों के उच्चारण, अग्नि और आहुतियों का प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। अग्नि होत्र में वृष्टि, वर्षा और जल की सृष्टि होकर वृष्टि द्वारा संसार को सुख प्राप्त होता है। वैज्ञानिकों के अनुभव वहाँ भी सज होता है वहाँ वातावरण में एक विशेष प्रभाव फैलता है तथा मानव मस्तिष्क पर औषधीय प्रभाव डालता है। पृथ्वी को सुख करने के तथा प्रदूषण मुक्त करने के लिए अग्नि होत्र यज्ञ ही एक मात्र सहाय है।

प्र.45 अभिवादनशील को किन चार वस्तुओं की प्राप्ति होती है ?

उ. जो अपने से बड़े वृद्धों की निश्च सेवा करता है उसके ब्राह्म, विद्या, यश और बल ये चार चीजें बढ़ती हैं।

प्र.46 पितृ यज्ञ किस प्रकार किया जाता है ?

उ. माता-पिता, सास-ससुर, साधु-महात्मा, गुरुजन एवं अन्य वृद्धजनों की सेवा करना पितृ यज्ञ है।

प्र.47 अतिथियज्ञ और बलिबैश्वदेवयज्ञ की विधियों का उल्लेख करें ?

उ. यदि कोई व्यक्ति बिन बुलाए, बिना सूचना दिए, अपरिचित रूप में आपके घर आ जाए तो उसका स्वागत करीबिए, सत्कार करीबिए उसे खाने और पीने की वीबिए। यह अतिथि यज्ञ चौथा निश्च कर्म है। हमारी संस्कृति का आदर्श है। तथा बलिबैश्व देव यज्ञ समस्त प्राणियों के बक्ष्याण के लिए प्रयत्न करना, दान देना। सबके लिए प्रार्थना, स्वयं भोजन कारण से पूर्वयज्ञ की अग्नि में या रसोई के चूल्हे में नमकीन वस्तुओं को छोड़कर मीठा भिले हुए अन्न को उन सब प्राणियों के लिए आहुतियाँ देना जो इस विशाल संसार में रहते हैं।

प्र.48 डी.ए.वी. गीत के प्रथम पद्य में डी.ए.वी. के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है ?

उ. डी.ए.वी. गीत के प्रथम पद्य में डी.ए.वी. के लिए अविश्व, निर्मल, सतिल हृदय आदि विशेषणों का प्रयोग किया गया है।

प्र.49 गायक चारों दिशाओं में किन उद्घोष की कामना करता है ?

उ. गायक चारों दिशाओं में इयानन्द एस्तो वैदिक प्रबन्धक समिति की सदा जय हो इस उद्घोष की कामना करता है।

प्र.50 डी.ए.वी. गीत में डी.ए.वी. की धारा को परम पुनीत क्यों कहा गया है ?

उ. डी. ए. वी. गीत में डी. ए. वी. को धारा को परम पुनीत इसीलिए कहा गया है क्योंकि इसके प्रचार का माध्यम वेद है। यह अपने जन्मकाल से ही निरन्तर पवित्र जलधारा की भाँति प्रवाहित रही है। चारों दिशाओं में ज्ञान का प्रकाश फैलाती रही है।

प्र. 51 डी.ए.वी. के साध दयानन्द जी और हंसराज जी का क्या संबंध है ?

उ. डी. ए. वी. महर्षि दयानन्द का स्मारक है तथा महात्म्य हंसराज द्वार सेवित (पोषित) है।

प्र.52 गायक कैसे दिनमान का उदय चाहता है ?

उ. गायक धर्म भक्ति तथा राष्ट्र शक्ति के दिनमन्त्र (सूर्य) को उदय चाहता है।

प्र.53 योग के आठों अंगों का नाम लिखो।

उ. यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धरणा, ध्यान, समाधि।

प्र.54 यम कितने हैं ? प्रत्येक का नाम लिखिए उसका अर्थ बताएँ ?

उ. यम पाँच हैं। 1) अहिंसा : किसी प्राणी को मन, वचन, कर्म से दुख न देना।

2) सत्य : सदा सच्चाई को धर्म पर चलना, प्रिय तथा हितकारक सत्य बोलना।

3) अस्तेय : चोरी न करना। जो अपना धर्म, जो अपने परिक्रम से कमाया नहीं उसे दूसरों से लेने का प्रयत्न न करना। जो दूसरों का है उसे न रखना।

4) ब्रह्मचर्य : परमात्मा में ध्यान रखना। अपनी इन्द्रियों को बंध में रखना। शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक शक्ति को क्लृप्ता।

प्र.55 अहिंसा का संबंध मनोवृत्ति से है, क्रिया से नहीं। इसे व्याख्यान द्वारा स्पष्ट करें।

उ. वास्तव में अहिंसा या हिंसा का संबंध मनोवृत्ति से है। एक कुशल और योग्य डॉक्टर अपने रोगी को बचाने के लिए उसका ऑपरेशन करता है तो क्या आप उसको हिंसक कहेंगे? नहीं क्योंकि वह सारा काम सात्विक वृत्ति अर्थात् मन, वचन, कर्म से निष्ठा व लगन से कर रहा है। यह अपने कर्तव्य का पालन कर रहा है।

प्र.56 अस्तेय तथा अपरिग्रह का क्या संबंध है?

उ. अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना, दूसरे की वस्तु को बिना उससे पूछे, बिना उसका मूल्य दिये ले लेना चोरी है। अन्य प्रकार, जो चोरियाँ भी संसार में प्रचलित हैं। जैसे घंटियाँ माल को बढ़िया बताकर बेचना, गिल्लबट करना, कम तोबना या नापना, कम काम करना, अपने कान के लगन से न करना आदि।

अपरिग्रह का अर्थ है आवश्यकता से अधिक संग्रह (इकट्ठा) न करना। यदि हम सुख शांति चाहते हैं तो आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह न करें। आवश्यकता से जितनी बढ़ेंगे उतना ही दुख और अशांति बढ़ेगी। अस्तेय और अपरिग्रह दोनों ही आपस में घनिष्ठ संबंध रखते हैं दोनों का अर्थ चोरी से ही है।

प्र.57 ब्रह्मचर्य का क्या महत्त्व है?

उ. वास्तव में ब्रह्मचर्य का पालन करने वाला व्यक्ति अपनी शारीरिक, मानसिक और आत्मिक शक्ति से प्रभु को पाने में समर्थ होक है। ऐसा व्यक्ति जनता को अपनी सोच व व्यवहार के अनुकूल बना लेता है। सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि ऐसे व्यक्ति से समाज में संशय व भ्रमों का अन्त निकलने में मदद मिलती है। ब्रह्मचर्य से शरीर से शरीर सुंदर और स्वस्थ बनता है, मन स्वच्छ और सन्तुलित बनता है, बुद्धि तीव्र और प्रखर बनती है और आत्मा बलवान बनती है।

आँख, कान, नाक, जिह्वा, त्वचा, मन, बुद्धि आदि इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना (बंध में करना) ही ब्रह्मचर्य कहलाता है।

प्र.58 शास्त्रों में कितने प्रकार के कर्म बताए गये हैं?

उ. चार

प्र.59 आवश्यकता से अधिक उभा करना क्या कहलाता है?

उ. अपरिग्रह।

प्र.60 गीता में कितने प्रकार के तप बताए गए हैं?

उ. तीन।

प्र.61 सुधा का अर्थ क्या है?

उ. अमृत।

प्र.62 ओ३म् पद में 'उ' का अर्थ लिखें।

उ. पालक

- प्र.63 ओ३म् का अप मनुष्य को कैसा बनाता है ?  
उ. विवेकशील ।
- प्र.64 मनुष्य का अधिकार किसमें है ?  
उ. कर्म करने में ।
- प्र.65 जीर्ण शब्द का क्या अर्थ है ?  
उ. पुराना ।
- प्र.66 दयानन्द एंग्लोवैदिक प्रबंधर्तु समिति प्रकृतनी दिशाओं में ज्ञान का प्रकाश फैलाती रही है ?  
उ. दस दिशाओं में ।
- प्र.67 हंसराज से कौसी शक्ति लें ?  
उ. त्याग शक्ति ।
- प्र.68 डी.ए.बी. गान के रचयिता का नाम लिखो ?  
उ. अक्षय त्रिपुर ।
- प्र.69 ओ३म् पद में 'म' का क्या अर्थ है ?  
उ. संझरक ।
- प्र.70 ओ३म् पद में 'अ' का क्या अर्थ है ?  
उ. उत्पन्नक ।
- प्र.71 'अस्तेय' का क्या अर्थ है ?  
उ. चोरी न करना ।
- प्र.72 गायत्री मन्त्र को और किन-किन नामों से पुकारा जाता है ?  
उ. महामन्त्र, मुख्यमन्त्र और सावित्री मन्त्र ।
- प्र.73 'अपरिग्रह' का क्या अर्थ है ?  
उ. गलत संग्रह न करना ।
- प्र.74 प्रतिदिन किए जाने वाले कर्मों को क्या कहते हैं ?  
उ. नित्यकर्म ।
- प्र.75 'ओंकार एवेदं सर्वम्' यह किसका वचन है तथा इसका अर्थ क्या है ?  
उ. अग्निष्वेद का, यह सब कुछ ओ३म् ही है जो पहले था, जो आगे होगा ।
- प्र.76 गुरु गोविन्द सिंह जी राम मनोहर लोहिया जी के संस्कृत प्रेम को दर्शाएँ ?  
उ. गुरु गोविन्द सिंह जी ने अपने शिष्यों को संस्कृत पढ़ने काशी भेजा था । संस्कृत के ज्ञान के बिना उसने दशम प्रश्न को समझ पाना असंभव है । प्रत्येक सिख रियासत में संस्कृत की निःशुल्क पाठशालाएँ चलाईं । राम मनोहर लोहिया भारत में अंग्रेजी के स्थान पर लोकभाषा की प्रतिष्ठ के प्रक्षपाती थे । उनका कहना था कि भारत की भाषाओं में संस्कृत के आधार पर नए-नए शब्दों बनाने की अपार क्षमता है ।
- प्र.77 स्वामी दयानन्द जी ने हिन्दी भाषा को किस नाम से पुकारा ?  
उ. आर्य भाषा ।

- प्र.78. महर्षि दयाचन्द जो से हिन्दी खोलने का अनुरोध किसने किया ?  
 ट. केशव चन्द सेन।
- प्र.79. ब्रह्मयज्ञ का दूसरा नाम क्या है ?  
 उ. संध्या।
- प्र.80. डी.ए.जी.के. साथ दयानन्द जी का क्या संबंध है ?  
 ट. प्रेम भक्ति का।
- प्र.81. हमारी वृत्ति ( कर्म ) कैसी होनी चाहिए ?  
 उ. त्यागपूर्ण।
- प्र.82. 'वोतराग' और 'अधी' शब्द का अर्थ क्या है ?  
 उ. सन्नासी और पापी।
- प्र.83. डॉ. रघुवीर ने हिन्दी के संबंध में क्या कहा है ?  
 उ. हिन्दू सिरोमणि डॉ. रघुवीर की मान्यता थी कि जब तक भारतवर्ष में अंग्रेजी का प्रयोग होगा तब तक भारतीय जनता और भाषाएँ एक दूसरे के समीप नहीं आ सकेंगी।
- प्र.84. जवाहिं राम ..... पुराने घास। उपरोक्त पंक्तियों को पूर्ण करके भावार्थ स्पष्ट करिए ?  
 उ. जवाहिं राम हिरदय धर्यो, भयो पाप को नास।  
 जैसी चिरगी आग की, पड़ी पुराने भास।  
 अर्थात् : जब भक्त सच्चे हृदय से 'ओम्' का जप करते हैं तो उनके पास उसी प्रकार नष्ट हो जाते हैं। जैसे आग की एक चिंगुली सूखी और पुराने घास में पकड़कर उसे जलाकर नष्ट कर देती है।
- प्र.85. बड़ों के अभिवादन से किन चार चीजों की प्राप्ति होती है ?  
 उ. आयु, विद्या, यश और बल।
- प्र.86. गायत्री मंत्र के जप के समय उपासक की क्या भावना होनी चाहिए ?  
 उ. गायत्री मंत्र का जप करते हुए उपासक को अपने अंदर यह भावना रखनी चाहिए कि सब शक्तिमान, सत्यस्वरूप, शक्ति के आदि स्रोत, आनन्द भय भगवान के ध्यान से मुझे भी आनन्द, ज्ञान, शक्ति, शांति आदि की प्राप्ति हो रही है और तेज की सामर्थ्य से मेरे अज्ञान, रोग, दुख, भय, शोक और चिंता आदि दूर हो रहे हैं।
- प्र.87. राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी के विषय में क्या कहा है ?  
 उ. श्री राहुल सांस्कृत्यायन ने यह प्रमाणपूर्वक सिद्ध किया कि सारे भारत के मठों, मंदिरों और साधुओं के अस्त्राडों के हिस्सब-किताब (चाहे वे पूर्व के हों या दक्षिण वा पश्चिम के) आज से दो हजार साल पहले भी हिन्दी में ही चलता था।
- प्र.88. नित्य कर्मों के नाम लिखकर अतिथि यज्ञ की व्याख्या करें ?  
 उ. एतन्महायज्ञं नित्य कर्म कहे जाते हैं, वे निम्न हैं - ब्रह्मयज्ञ, देवयज्ञ, पितृयज्ञ, बालिवैश्वदेवयज्ञ।  
 अतिथियज्ञ :- यदि कोई बिना बुलाए, बिना सूचना दिये अपरिचित रूप में आपके घर आ जाये तो उसका स्वागत कीजिए। हमारी संस्कृति का एक अज्वलनतम चिह्न है। आज भी देश के कई भागों में अतिथि के लिए प्यार और सम्मान की भावना विद्यमान है।

- प्र. 89 'अधिरल' और 'पुनीता' शब्दों के अर्थ लिखो ?  
 उ. निरन्तर और पवित्र करनेवाली ।
- प्र. 90 भारत भूमि को माता क्यों कहा गया है ?  
 उ. मात्र जिस प्रकार पुत्रों का लालन पालन करती है, भारत भूमि भी उसकी प्रकार हमारा लालन पालन करती है, अतः भारत भूमि को माता कहा गया है ।
- प्र. 91 शारीरिक तप क्या है ?  
 उ. सात्विक भोजन करना ।
- प्र. 92 मनुस्मृत्याज ने किसकी पवित्रता को श्रेष्ठ माना है ?  
 उ. धन की ।
- प्र. 93 ज्ञान पाने के लिए क्या आवश्यक है ?  
 उ. तपस्व और साधना ।
- प्र. 94 देवमन्त्र किस लिए किया जाता है ?  
 उ. देवमन्त्र देवताओं (अग्नि, वायु आदि) की पुष्टि अर्थात् पर्यावरण शुद्धि के लिए किया जाता है ।
- प्र. 95 यम का क्या अर्थ है ?  
 उ. यम का अर्थ है यश में करना, अनुशासन और मर्यादा में रहना ।
- प्र. 96 योग की प्रथम सीढ़ी कौन सी है ?  
 उ. धर्म ।
- प्र. 97 अतिथि गन्त के आदर्श कौन माने जाते हैं ?  
 उ. सखा सन्निदेव ।
- प्र. 98 समस्त प्राणियों के कल्याण के लिए प्रयत्न करना, दानवीन क्या कहलाता है ?  
 उ. बलिवैश्वदेव यज्ञ ।
- प्र. 99 हमारे साहित्य में तीर्थ किसे कहा गया है ?  
 उ. माता को ।
- प्र. 100 माता को तीर्थ क्यों कहा गया है ?  
 उ. क्योंकि माता की सेवा करने वाला तर जाता है ।
- प्र. 101 कामनाओं की पूर्ति के लिए किये जाने वाले कर्म क्या कहे जाते हैं ?  
 उ. काम्य कर्म ।
- प्र. 102 डॉ. राम मनोहर लोहिया ने हिन्दी के विषय में क्या कहा है ?  
 उ. मैं चाहता हूँ कि हिन्दुस्तान के साधारण लोग अपने अंग्रेजी के अज्ञान पर लज्राएँ नहीं, बल्कि धमंड करें । इस सामन्ती भाषा को ऊर्ध्वी के लिए छोड़ दें जिनके माँ-बाप शरीर से नहीं तो आत्मा से अंग्रेज रहे हों ।
- प्र. 103 लोकनायक जय प्रकाश नारायण ने हिन्दी भाषा के विषय में क्या कहा है ?  
 उ. मेरा सुनिश्चित मत है कि विदेशी भाषा को अनिवार्य रहते हमारे शिक्षार्थियों में राष्ट्रीय स्वाभिमान का विकास नहीं हो सकता । स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी को अनिवार्य रखना राष्ट्रीय स्वाभिमान को प्रतिकूल है ।

प्र.104 गुरु गोविन्द सिंह जी देश की एकता एवं अखंडता की बात करने दक्षिण दिशा में किससे मिलने गये थे।

उ. शिवाजी के पुत्र शम्भजी से।

प्र.105 जहाँ लोग एक दूसरे की बातों को नहीं समझ पाते वहाँ किस भावना का अभाव रहता है।

उ. सहयोग और परस्पर प्रेम की भावना का।

प्र.106 संस्कृत भाषा को अन्य किस नामों से जानते हैं?

उ. देववाणी, सुरभारती।

प्र.107 किस जाति का दश अक्षय हो?

उ. आर्य जाति अर्थात् श्रेष्ठ जाति का।

प्र.108 हम किस प्रेम का फल पढ़ावें?

उ. विश्व (संसार) को।

प्र.109 "साम्य सुमन विकसले वाला" गीत को इस पंक्ति का क्या अर्थ है?

उ. जैसे फूल सभी को एक समान सुगंध देता है उसी प्रकार हम भी सभी के साथ फूल जैसा व्यवहार करें।

प्र.110 मनुष्य किसे कहते हैं?

उ. "मत्वा कर्माणि सौख्यति" अर्थात् लोभ सम्झकर जो कार्य करता है। चिन्तन, मनन करने वाले को, भले बुरे की पहचान रखने वाले को मनुष्य कहते हैं।

धर्म शिक्षा  
(खण्ड - क)

प्रश्न एक से दस में सही विकल्प छाँट कर एक को लिखें।

1. वसुधा का अर्थ है - 1  
 क) आकाश                      ख) पृथ्वी                      ग) जपूत                      घ) वसुधों वाली
2. पन्थाई पाखण्ड बिसरी का अर्थ है - 1  
 क) पाखण्ड के रास्ते पर चलकर                      ख) पाखण्ड के रास्ते को भुलकर  
 ग) पाखण्ड के रास्ते पर गकर                      घ) पाखण्ड के रास्ते पर चलाकर
3. मानव के मन मन्दिर की ज्योति वर प्रकाश पुंज कौन है - 1  
 क) शिवहरि                      ख) ओ३म्                      ग) महादेव                      घ) प्रकाश
4. प्रेम के प्रयोगों को क्या बोलना चाहिए - 1  
 क) सूक्ति                      ख) श्लोक                      ग) ओ३म्                      न) गीत
5. सुजन का अर्थ है - 1  
 क) सम्जन                      ख) दुर्जन                      ग) निर्जन                      घ) कृष्ण
6. 'वसोसि जीर्णानि यथा विहाय' यह श्लोक का किस ग्रन्थ का है? 1  
 क) रामायण                      ख) पुराण                      ग) गीता                      घ) वेद
7. संसार की समस्त परिष्कृत भाषाओं में कौन सी भाषा प्राचीनतम है - 1  
 क) प्रकृत                      ख) संस्कृत                      ग) पाली                      घ) हिन्दी
8. संस्कृत किसकी भाषा है - 1  
 क) हिन्दुओं की                      ख) मानवजात की                      ग) सिक्खों की                      घ) मुसलमानों की
9. किसने हिन्दी को आर्य भाषा के नाम से पुकारा - 1  
 क) महात्मा गाँधी                      ख) स्वामी रामतीर्थ  
 ग) स्वामी दयानन्द                      घ) स्वामी विवेकानन्द
10. शास्त्रों में कितने कर्म बताये गए हैं - 1  
 क) चार                      ख) तीन                      ग) त्तत                      घ) आठ

(खण्ड - ख)

11. मनुष्य का अधिकार किसमें है और किसमें नहीं? 2
12. श्रीकृष्ण ने अर्जुन को किसका उपदेश, किसकी अमरता का वर्णन करते हुए दिया? 2
13. नित्य कर्म किसे कहते हैं? 2
14. डी ए वी के साथ दयानन्द जी का और हंसराज जी का क्या सम्बन्ध है? 2
15. डी ए वी गान के प्रथम पद्य में डी ए वी के लिए प्रयोग किए गए कोई चार विशेषण लिखिए? 2

## (खण्ड - ग)

16. ओ३म् ध्वज ही सार्वभौम ध्वज क्यों है? 3
17. उस (ओ३म्) नाद का त्याग कौन करते हैं? 3
18. अतिथि यज्ञ किस प्रकार किया जाता है? यह किस कर्म के अन्तर्गत आता है? 3
19. 'सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात् मा ब्रूयात् सत्यमप्रियम्' मनुस्मृति के इस कथन का अर्थ लिखें। 3
20. मानसिक हिंसा किसे कहते हैं? 3

## (खण्ड - घ)

21. 'ओंकार एवेदं सर्वम्' का अर्थ लिखकर उसका भाव स्पष्ट करें? 5
22. गायत्री मन्त्र का जप करते हुए उपासक के मन में कैसी भावना होनी चाहिए? 5
23. हमें संस्कृत भाषा का अध्ययन क्यों करना चाहिये? 5
24. डॉ. राममनोहर लोहिया जी और गुरु गोविन्द सिंह जी के संस्कृत प्रेम को दर्शाएँ? 5
25. राजर्षि टंडन अंग्रेजी के लिए पन्द्रह वर्ष की छूट क्यों नहीं देना चाहते थे? 5

## (खण्ड - ङ)

26. ओ३म् नाम का महत्त्व स्पष्ट कीजिए? 6

## अथवा

ओ३म् शब्द की व्याख्या एवं निम्नलिखित दोहे का भावार्थ लिखें।

ओ३म् नाम सबसे बड़ा, इससे बड़ा न कोय।

जो इसका सुमिरन करे, शुद्ध आत्मा होय।।

27. गायत्री - मन्त्र का अर्थ लिखें। 6

## अथवा

महात्मा आनन्द स्वामी को प्राप्त हुए गायत्री के जाप के फल का उल्लेख करें।

28. गुरु गोविन्द सिंह ने हिन्दी के लिए क्या किया? 6

## अथवा

किसी भी राष्ट्र के लिए एक राष्ट्रभाषा का होना आवश्यक क्यों है?

29. बलिवैश्वदेव यज्ञ की विधि का उल्लेख करें और बताएं यह किस कर्म के अन्तर्गत आता है? 6

## अथवा

पितृयज्ञ किस प्रकार किया जाता है? अभिवादनशील को किन चार वस्तुओं की प्राप्ति होती है?

30. ब्रह्मचर्य का क्या महत्व है? 6

## अथवा

यम का क्या अर्थ है? जीवन में यमों का पालन करने से क्या लाभ होगा?



(संकलनात्मक मूल्यांकन - 1)

अंक विभाजन तथा उत्तर संकेत)

खण्ड 'क'

1. ख) पृथ्वी
2. ख) पाखण्ड के रास्ते को भुलाकर
3. ख) ओ३म्
4. ग) ओ३म्
5. क) सञ्जन
6. ग) गीता
7. ख) संस्कृत
8. ख) मानवमात्र की
9. ग) स्वामी दयानन्द
10. क) चार

खण्ड 'ख'

11. मनुष्य का अधिकार कर्म में है, फल में नहीं।
12. श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश, आत्मा की अमरता का वर्णन करते हुए दिया।
13. प्रतिदिन किए जाने वाले कर्म को नित्यकर्म कहते हैं।
14. दयानन्द जी का प्रेम भक्ति और हंसराज जी का त्याग शक्ति का।
15. अनिरल, निर्मल, सदय, ज्ञानप्रदायिनी, ज्योतिर्मय ( इनमें से कोई चार)

खण्ड 'ग'

16. ईश्वर का प्रतीक होते हुए सभी क्षेत्रों में प्रगति कराने वाला तथा मानवीय गुणों को धारण करने की प्रेरणा देने वाला।
17. अषी (पापी) अक्षयत (कमखोर) पोष-रोगी आदि उस नाद का त्याग करते हैं।
18. अतिथि यज्ञ नित्य कर्म को अन्तर्गत आता है; यदि कोई व्यक्ति बिना मुलाए, बिना सूचना दिए, अपरिचित रूप में आपके घर आए तो उसका स्वागत कीजिए, उसे खाने और पीने की दीजिए। कटु वचनों द्वारा किसी को कष्ट पहुंचाना वाचिक हिंसा है। हिंसा तीन प्रकार की होती है।
19. सत्य बोलना चाहिये। प्रिय बोलना चाहिये। सत्य इस तरह नहीं बोलना चाहिये जो दूसरों को अप्रिय लगे।
20. गन्दी भावना से किसी को हर्षित पहुंचाने का विचार करना मानसिक हिंसा है।

खण्ड 'घ'

21. यह सब कुछ ओम् ही है। इसका भाव यह है कि जो पहले था, जो है, जो आगे भी होगा सब ओंकार है अर्थात् ओंकार सदा रहता है और जब यह सब कुछ नहीं रहता तब भी ओंकार विद्यमान रहता है।
22. तपस्वी मन्त्र का जप करते हुए उपासक को अन्दर ऐसी भावना होने चाहिए कि सर्वशक्तिमान्, सत्यस्वरूप, शक्ति

- के आदि स्त्रोत, आनन्दमय भगवान के ध्यान से मुझे भी आनन्द, ज्ञान, शक्ति, सत्य, शान्ति आदि की प्राप्ति हो रही है और तेज के सामर्थ्य में मेरा अज्ञान, रोग, दुःस्व, भय, शोक और चिन्ता आदि दूर हो रही हैं।
23. हमें संस्कृत भाषा का अध्ययन इसलिए करना चाहिए क्योंकि संस्कृत भाषा सारी भाषाओं से प्राचीन है और भारत की समस्त भाषाओं का स्त्रोत है। इस भाषा के समान मृदुलता, मधुरता और व्यञ्जकता किसी अन्य भाषा में नहीं है। समस्त प्राचीन साहित्य वेद, प्राण, उपनिषद्, दर्शन, धार्मिक ग्रन्थ और इतिहास संस्कृत भाषा में ही लिखित हैं। अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए भी संस्कृत का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है।
24. डॉ. राममोहर लोहिया भारत में अंग्रेजी के स्थान पर लोकभाषा की प्रतिष्ठा के पक्षपाती थे उनका कहना था कि भारत की भाषाओं में संस्कृत के आधार पर नए शब्दकोश को बनाने की अपार क्षमता है। गुरु गोविन्द सिंह ने अपने शिष्यों को संस्कृत पढ़ने काशी भेजा। संस्कृत के ज्ञान के बिना उनके दशम ग्रन्थ को समझ पाना असम्भव है। उन्होंने प्रत्येक सिद्ध रिचामत में संस्कृत की निःशुल्क पाठशाखाएं चलाई।
25. क्योंकि राजर्षि टंडन जानते थे कि पन्द्रह वर्ष के बाद भी पं. जवाहरलाल नेहरू हिन्दी को इस देश में लागू नहीं होने देंगे और अतः समय के बाद हिन्दी का स्वर भी धट जायेगा अर्थात् लोगों का प्रेम हिन्दी भाषा के प्रति कम हो जायेगा और अंग्रेजी का वर्चस्व बढ़ जायेगा। राजर्षि टंडन बुद्ध भी हो गए थे, इन्होंने दो सत्रों से राजर्षि टंडन अंग्रेजी को पन्द्रह वर्ष की छूट देना नहीं चाहते थे।

### शब्द 'ह'

26. ओ३म् नाम बहुत ही महत्वपूर्ण है क्योंकि ओ३म् को ईश्वर का सर्वश्रेष्ठ नाम माना जाता है। ओ३म् ही सृष्टि के आदि, अन्त और मध्य का द्योतक माना जाता है ओ३म् नाम के जप से मनुष्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष आदि सभी सुखों की स्वामी बन जाता है। ओ३म् नाम के जप से वाणी में पवित्रता आती है और मनुष्य की सभी शुभ कामनाएँ पूर्ण हो जाती हैं। ओ३म् जगत का अनुपम का आधार है ओ३म् ही इस संसार का एकमात्र रत्नकोष है ओ३म् नाम का जप करने वाला जीवन संग्राम में कभी निराश नहीं होता अर्थात् ओ३म् सारे संसार का प्राण है। ओ३म् ही सत्य है और ओ३म् ही सब कुछ है।

### अथवा

- ओ३म् शब्द में तीन अक्षर हैं ज, उ, म् ये तीनों अक्षर सृष्टि के आदि, अन्त और मध्य के द्योतक हैं। ओ३म् नाम सबसे बड़ा है इससे बड़ा कोई नहीं है। जो इस ओ३म् नाम का स्मरण और जप करता है उसकी आत्मा (अन्तःकरण) शुद्ध और पवित्र हो जाती है।
27. 'ओ३म्' 'यह' परमेश्वर का मुख्य नाम है, 'भूः' जो प्राण का भी प्राण है, 'भुवः' सब दुखों को छुड़ाने ज्ञान, 'स्वः' स्वयं सुख स्वरूप और अपने उपामर्कों को सब सुखों की प्राप्ति करने द्वारा है, उस 'सक्तिः' सकल जगत् की उत्पत्ति करने वाले, सूर्यादि प्रकाशकों के भी प्रकाशक रागात्र ऐश्वर्य के दत्ता देवस्य कामना करने योग्य, 'भर्ता' सब कलेशों को भस्म करने वाले पवित्र शुद्ध स्वरूप वत् उसको हम लोग, 'धीमहि' धारण करें। 'धियो यो नः प्रचोदयात्' हमारी बुद्धि को, कर्म को अपनी ओर लें चलो।

### अथवा

महत्मा आनन्द स्वामी ने कहा है कि जब वे आठ या नौ वर्ष के थे तो मन्दबुद्धि होने के कारण बड़े निराश रहा करते थे। वे अपने जीवन की विस्कृत निरर्थक समझते थे क्योंकि कोई भी उनसे प्रसन्न न रहता था। उनकी इस दयनीय अवस्था को सुनकर आर्य समाज के प्रसिद्ध सन्नासो स्वामी नित्यानन्द जी ने उन्हें गायत्री मन्त्र दिया और प्रातः काल

होने से पूर्व इस मन्त्र को अर्घ्य स्नान और अनुकूल वाचरण सहित जप करने का आदेश दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि उनके जीवन की काया गलट गई। वे प्रतिदिन उन्नति करने लगे। कक्षा में प्रथम आने लगे।

28. गुरु गोविन्द सिंह सारे देश की एकता व अखण्डता का स्वप्न सँजाए हुए थे। ने इसी निमित्त शिवाजी के पुत्र शांभाजी से मिलने दक्षिण गए थे। गुरु गोविन्द सिंह ने अपने सैनिकों को हिन्दी में ही बख़्शेब दिया और उन्होंने अपना दशम ग्रन्थ भी जफरनामा छेड़कर हिन्दी में ही लिखा। इस प्रकार गुरु गोविन्द सिंह ने हिन्दी के लिए अनेक कार्य किए।

#### अथवा

किसी भी राष्ट्र के देशवासियों में सच्चा प्रेम, संगठन और एकता की भावना को भरने के लिए एक राष्ट्र भाषा का होना अति आवश्यक है इस बात से कोई भी बुद्धिमान मनुष्य इनकार नहीं कर सकता कि जहाँ लोग एक दूसरे की बात को समझ नहीं सकते वहाँ वहाँ प्रेम और सहयोग की भावना का उत्पन्न होना असम्भव है। वास्तव में राष्ट्र भाषा उस राष्ट्र की एकता और अखण्डता का प्रतीक होती है, इसलिए एक राष्ट्र भाषा का होना आवश्यक माना जाता है।

29. बलिवैश्वदेव यज्ञ यह समस्त प्राणियों के कल्याण के लिए प्रयत्न करना, दान देना, सबके लिए प्रार्थना करना, स्वयं भोजन करने से पूर्व यज्ञ की अग्नि में या रसोई के चूल्हे में ननकीन वस्तुओं को छेड़कर नीचा मिले हुए अन्न की सब प्राणियों के लिए आहुतियाँ देना बलिवैश्वदेव यज्ञ का विधि है। बलिवैश्वदेव यज्ञ नित्य कर्म के अन्तर्गत आता है।

#### अथवा

पितृयज्ञ नित्य कर्म है। इस यज्ञ में माता-पिता, सास-ससुर, साधु-यज्ञात्मा, गुरुजन एवं अन्य कृद्गणों की सेवा की जाती है। इस यज्ञ में भोजन और वस्त्रादि से इनको प्रसन्न किया जाता है।

अभिवादन शक्ति को आयु, विद्या, बल और यज्ञ इत चार चीजों की प्राप्ति होती है।

30. आँख, कान, नाक, जिह्वा, तन्त्रा, मन आदि इन्द्रियों पर नियन्त्रण रखना 'ब्रह्मचर्य' कहलाता है। ब्रह्मचर्य का पालन करने वाला व्यक्ति अपनी शारीरिक, मानसिक व आत्मिक शक्ति से प्रभु को जाने में समर्थ होता है। ऐसे व्यक्ति से समाज में संयम, मर्यादा व अनुशासन बना रहता है। ब्रह्मचर्य से शरीर व स्वस्थ बनती है, मन स्वच्छ, बुद्धि तीव्र और प्रखर बनती है।

#### अथवा

यम का अर्थ है बस में करना अनुशासन और मर्यादा में रहना। यमों के पालन से व्यक्तियों में निखार आयेगा और साथ ही समाज में सुख, शांति, ज्ञान और प्रसन्नता का संचार होगा। एक स्वस्थ समाज की निर्माण होगा। प्रत्येक व्यक्ति अपने लक्ष्य तक पहुँचने की कोशिश में ईमानदारी, मर्यादा और नियमों का पालन कर सकेगा।

**धर्म शिक्षा**  
(संकलनात्मक मूल्यांकन-1)

**खंड - क**

प्रश्न एक से दस में सही विकल्प छांट कर लिख।

- |     |   |                   |                    |                    |
|-----|---|-------------------|--------------------|--------------------|
| 1.  | हमारी वृत्ति कैसी होनी चाहिए?               |                   |                    | 1                  |
|     | क) धर्म पूर्ण                               | ख) त्याग पूर्ण    | ग) मर्यादा पूर्ण   | घ) न्याय पूर्ण     |
| 2.  | 'ओ३म् ध्वज' में 'इसके' का क्या अर्थ है?     |                   |                    | 1                  |
|     | क) धर्म ध्वज                                | ख) राष्ट्र ध्वज   | ग) ओ३म् ध्वज       | घ) सेना ध्वज       |
| 3.  | 'रसना' किसके जाप से रसीली हो जाती है?       |                   |                    | 1                  |
|     | क) ओ३म्                                     | ख) गायत्री मन्त्र | ग) आरती            | घ) श्लोक           |
| 4.  | 'आत्मबोध' कविता में मुक्ति पाने का साधन है- |                   |                    | 1                  |
|     | क) गायत्री जप                               | ख) विष्णु जप      | ग) ब्रह्मा जप      | घ) ओ३म् का जप      |
| 5.  | अनादि नाद का त्याग कौन करते हैं?            |                   |                    | 1                  |
|     | क) ऋषि                                      | ख) शिक्षक         | ग) पापी            | घ) किसान           |
| 6.  | गीता का ज्ञान क्या संदेश देता है?           |                   |                    | 1                  |
|     | क) आराम                                     | ख) कर्म           | ग) युद्ध           | घ) प्रेम           |
| 7.  | संस्कृत का मौलिक अर्थ है-                   |                   |                    | 1                  |
|     | क) संस्कार की गई भाषा                       | ख) मौलिक भाषा     | ग) विज्ञान की भाषा | घ) सबकी भाषा       |
| 8.  | महात्मा गाँधी के संस्कृत अध्यापक थे-        |                   |                    | 1                  |
|     | क) दयानन्द जी                               | ख) विवेकानन्द जी  | ग) पांडेय जी       | घ) विरजानन्द जी    |
| 9.  | हिन्दी राजभाषा कब बनी ?                     |                   |                    | 1                  |
|     | क) 5 सितम्बर 1950                           | ख) 15 अगस्त 1947  | ग) 26 जनवरी 1950   | घ) 14 सितम्बर 1949 |
| 10. | सम्पूर्ण संसार में कितने गुण विद्यमान हैं ? |                   |                    | 1                  |
|     | क) दो                                       | ख) तीन            | ग) पाँच            | घ) सात             |

**खंड - ख**

- |     |   |   |
|-----|---|---|
| 11. | मनुष्य का अधिकार किसमें है किसमें नहीं ?                          | 2 |
| 12. | गीता के अनुसार 'नवानि-और' जीर्णानि' शब्दों के अर्थ लिखे।          | 2 |
| 13. | 'अभिवादन शील' को किन चार चीजों की प्राप्ति होती है ?              | 2 |
| 14. | डी० ए० वी० के साथ 'दयानन्द जी' एवं हंसराज जी का क्या सम्बन्ध है ? | 2 |
| 15. | डी० ए० वी० की धारा को परम पुनीता क्यों कहा गया है ?               | 2 |

खंड - ग

16. निम्न पंक्तियों का भावार्थ लिख-  
इसी ध्वजा को लेकर घर में।  
भर है वेद-ज्ञान घर-घर में। 3
17. 'इस जनादि नाद' को कौन नहीं भूलते? 3
18. विज्ञान और यज्ञ का सम्बन्ध स्पष्ट करें। 3
19. 'अस्तौय' का क्या अर्थ है? 3
20. योग के किन्हीं छः अंगों के नाम लिख। 3

खंड - घ

21. ओ३म् शब्द की व्याख्या करें। 5
22. 'महात्मा आनन्द स्वामी' को प्राप्त हुए गायत्री जप के फल का उल्लेख करें। 5
23. संस्कृत भाषा और भारतवासियों का मातृ-पुत्र का सम्बन्ध किस प्रकार है? 5
24. संस्कृत भाषा के अध्ययन की आवश्यकता क्यों है? 5
25. डॉ. रघुवीर एच. डॉ. राममनोहर लोहिया ने हिन्दी की प्रतिष्ठा में क्या शब्द कहे? 5

खंड - ङ

26. ओ३म् नाम की महिमा का वर्णन करें। 6

अथवा

- ओ३म् नाम को प्राप्त कर लेने पर मनुष्य को निम्न कौसी बन जाती है? तथा उपनिषदों में क्या कहा है?  
27. गायत्री मंत्र के अन्य नाम लिखते हुए बसको गहिगा स्पष्ट करें। 6

अथवा

- गायत्री मंत्र को जप की विधि, समय तथा स्थान को बतायें।  
28. महात्मा गांधी ने बी. ए. सी. को भारत के आजाद होने के बाद अपना सदैव हेतु क्यों नहीं दिया? 6

अथवा

- राष्ट्रभाषा हिन्दी राष्ट्र के उत्थान में कैसे उपयोगी है?  
29. प्रिय यज्ञ की विधि लिखें। 6

अथवा

- शास्त्रों में वर्णित चार प्रकार के कर्मों को स्पष्ट करें।  
30. "वास्तव में हिंसा का सम्बन्ध मनोवृत्ति से है क्रिया से नहीं।" दो उदाहरणों द्वारा स्पष्ट करें। 6

अथवा

यम कितने हैं? इनका संक्षिप्त परिचय दीजिए।

## धर्म शिक्षा

(संस्कृतनामक मूल्यांकन - 1)

- |     |                       |   |
|-----|-----------------------|---|
| 1.  | ख) लग्न पूर्ण         | 1 |
| 2.  | ग) ओ३म् ध्वज          | 1 |
| 3.  | ख) गावत्री मंत्र      | 1 |
| 4.  | घ) ओ३म् का जप         | 1 |
| 5.  | ग) पापी               | 1 |
| 6.  | ख) कर्म               | 1 |
| 7.  | क) संस्कार की गई भाषा | 1 |
| 8.  | ग) पांडेय जी          | 1 |
| 9.  | घ) 14 सितम्बर 1949    | 1 |
| 10. | ख) तीन                | 1 |

## खंड - ख

- |     |  |   |
|-----|--|---|
| 11. | मनुष्य का अधिकार कर्म करने में है फल की प्राप्ति में कदापि नहीं है।  | 2 |
| 12. | नवानि - नवे वस्त्र<br>जीर्णानि - पुराने वस्त्र   | 2 |
| 13. | आयु, विद्या, यश और बल  | 2 |
| 14. | डॉ. ए. जी. के श्राध महर्षि दत्तात्रेय का प्रेम और शक्ति तथा महात्मा हंसराज जी का लक्ष्मण और शक्ति का सम्बन्ध है। | 2 |
| 15. | वेद ज्ञान से ओत-प्रोत होने के कारण।  | 2 |

## खंड - ग

- |     |  |   |
|-----|--|---|
| 16. | इन पंचतथ्यों में कविवर आर्यों को निर्देश देते हुए कहते हैं कि इस ओ३म् ध्वज को हाथ में लेकर सारे संसार में वैदिक धर्म का प्रचार-प्रसार करें।  | 3 |
| 17. | इस अनादि नाद ( ओ३म् ) को ज्ञानमीम विद्वान, संन्यासी एवं योगी नहीं भूलते।   | 3 |
| 18. | वैज्ञानिक आजकल पंखों की व्यावहारिक उपयोगिता पर अर्थात् पर्यावरण प्रदूषण, अतिवृष्टि, ओधी - तूफान आदि से सुरक्षा, वनस्पति व अणुज आदि की सुरक्षा व वृद्धि विषयक खोज करने में लगे हैं।                               | 3 |
| 19. | अस्तेय का अर्थ है चोरी न करना। दूसरे की वस्तु को बिना उससे पूछे या बिना उसका मूल्य दिए लेना चोरी है। षट्पिण्ड माल को बढ़िया बताकर बेचना; गिलाघट करना, कम तोलना या नापना, निर्धारित काम से कम करना या लगन न करना। | 3 |
| 20. | यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्यङ्गार, धारणा, ध्यान, समाधि (फोड़ेछः)   | 3 |

## खंड - घ

- |     |  |   |
|-----|--|---|
| 21. | ईश्वर ने सृष्टि की उत्पन्न किया है। वही इसका पालन करता है और अन्त में वह ही इसे समेट लेता है। ओ३म् के अ, उ, म् ये तीन अक्षर सृष्टि के इसी आदि, मध्य और अन्त के धोतक हैं। | 5 |
|-----|--|---|

22. महात्मा आनन्द स्वामी जब आठ या नौ वर्ष के थे तो मन्द बुद्धि के होने के कारण वे बड़े निराश रहा करते थे। वे अपने को बिल्कुल निरर्थक समझते थे क्योंकि कोई भी उनसे प्रसन्न न रहता था। उनकी इस दयनीय अवस्था को सुनकर आर्य जगत् के प्रसिद्ध संन्यासी स्वामी तिल्यानन्दजी ने उन्हें गायत्री मन्त्र दिया और प्रातः काल होने से पूर्व इस मन्त्र को अर्थ ज्ञान और अनुकूल आचरण सहित जप करने का आदेश दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि उनके जीवन की काया पलट गई। वे प्रतिदिन उन्नति करने लगे। कक्षा में प्रथम आने लगे। युवावस्था में भी वे इस अर्थ सहित गायत्री जप के प्रभाव से सदा आगे ही बढ़ते गए। 5
23. संस्कृत भाषा सारी भाषाओं की जननी है, सबसे प्राचीन है। इस भाषा की मृदुलता, मृधुरता और व्यापकता किसी भाषा में नहीं है। भारत की समस्त भाषाओं का स्रोत संस्कृत है। संस्कृत के भण्डार से ही अनेक शब्द निकले व निकलते जा रहे हैं। 5
24. 1. हमारा प्राचीनतम साहित्य संस्कृत भाषा में ही लिखा है।  
2. संस्कृत बोलने और लिखने वालों ने संस्कृति तथा सभ्यता का निर्माण किया है।  
3. भारत की समस्त भाषाओं का स्रोत संस्कृत है।  
4. संस्कृत में भौतिक ज्ञान, धर्म एवं आध्यात्मिक विद्या का अक्षय भण्डार विद्यमान है।  
5. संस्कृत कम्प्यूटर के लिए भी सबसे सरल और उपयुक्त भाषा है। 5
25. डॉ. रघुबीर की मान्यता थी - "जब तक भारत वर्ष में अंग्रेजी का प्रयोग होगा तब तक भारतीय जनता और भाषाएँ एक दूसरे के समीप नहीं आ सकती।"  
डॉ. राममनोहर लोहिया ने कहा है - "मैं चाहता हूँ कि हिन्दुस्तान के साधारण लोग अपने अंग्रेजी के अज्ञान पर लज्जा नहीं बल्कि घमण्ड करें। इस सामन्ती भाषा को उन्हीं के लिए छोड़ दें जिनके माँ-बाप शरीर से नहीं तो आत्मा से अंग्रेज रहे हों।" 5

## खंड - ४.

26. 1. ओ३म् नाम के जप से मनुष्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सभी सुखां का स्वामी बन जाता है।  
2. वाणी में पवित्रता आती है।  
3. मनुष्य की सभी शुभकामनाएँ पूर्ण हो जाती हैं।  
4. ओ३म् जगत का अनुपम आधार है।  
5. ओ३म् नाम मानव के मन -मंदिर की ज्योति का प्रकाश है।  
6. ओ३म् नाम का गुणगान करने वाला मनुष्य किसी से पराजित नहीं होता। 6
- ओ३म् नाम को प्राप्त कर लेने पर ऐसी निष्ठा बन जाती है कि मानव लाख कामों को छोड़कर ओ३म् नाम के जप में मग्न हो जाता है। उपनिषदों ने स्पष्ट कहा है:
- ओंकार एवेदं सर्वम्**  
अर्थात् यह सब कुछ ओ३म् ही है। जो पहले था, जो है, जो आगे होगा सब ओंकार है। अर्थात् ओंकार सदा रहता है और जब वह सब कुछ नहीं रहता तब भी ओंकार विद्यमान रहता है। 6
27. गायत्री मंत्र को सावित्री मंत्र, गुरुमंत्र, वेदमाता, महामंत्र आदि अनेक नामों से पुकारा जाता है।

गायत्री मन्त्र का वर्णन करते हुए कहा है, "समस्त दुखों के अपार सागर से पार करने वाली गायत्री है।" इसीलिए इसको मापनिकारणी, दुःख-हारिणी, त्रिलोक तारणी कहते हैं।

#### अथवा

गायत्री मन्त्र का जप करते हुए उपासक को अपने अन्दर यह भावना रखनी चाहिए कि सर्वशक्तिमन् सत्यस्वरूप, शांति के आदि श्रेष्ठ आनन्दमय भगवान को ध्यान से मुझे भी आनन्द, ज्ञान, शक्ति, सत्य, शान्ति आदि की प्राप्ति हो रही है। और तेज के समर्थ से मेरे अज्ञान, रोग, दुःख, भय, शोक, चिन्ता आदि दूर हो रहे हैं, एसी भावना को साध किया हुआ गायत्री मन्त्र का जप अद्भूत शक्ति, शान्ति, ज्योति और आनन्द को देने वाला होता है।

गायत्री का जप प्राप्तः स्वप्न कर्मे के परचाट तथा तन्त्रि में लोने से पूर्व करना अधिक उपयोगी है। जप का स्थान पवित्र एवं शांत होना चाहिए।

28. भारत के आजाद होने पर बो. बी. सी. खन्देश के अधिकारी गाँधी जी से रेडियो प्रसारण के लिए संदेश लेने पहुँचे। उन दिनों बी. बी. सी. से हिन्दी में प्रसारण नहीं होते थे। परिणामतः गाँधी को ने बिना संदेश दिया यह कहकर लौटा दिया, "दुनिया को भूल जाना चाहिए कि गाँधी (भारत) अंग्रेजी जानता है, यदि मेरे हाथ में देश की बाग डोर होती तो आज ही विदेशी भाषा में शिक्षा का दिया जाना बंद कर देता। सारे अध्यापकों को स्वदेशी भाषा में अपनाने को मजबूर कर देता, जो अज्ञानकारी करते उन्हें बखारत कर देता। मैं पद्य-पुस्तकों के तैयार किए जाने का इन्तजार न करता।"

#### अथवा

राष्ट्र के समस्त देशवासियों में सच्चा प्रेम, संगठन और एकता की भावना भरने के लिए एक राष्ट्र भाषा होती चाहिए। भाषा और भावना के बिना अर्थात् प्रेम ही नहीं सकता, क्योंकि प्रेम और सौहार्द के बिना कल्पित असम्भव है। वास्तव में हिन्दी सारे भारत की एकता और अखण्डता की प्रतीक है।

हिन्दी किसी एक क्षेत्र की भाषा न होकर समूचे राष्ट्र की भाषा है। राष्ट्रीय एकता का सर्वश्रेष्ठ माध्यम हिन्दी है। भारतीयों के चित्तों को अभिव्यक्ति का एकमात्र माध्यम हिन्दी है। इसके अभाव में भारतीयता की अभिव्यक्ति ही नहीं सकती। हिन्दी भारत की आत्मा है।

29. तीसरा महयज्ञ पितृयज्ञ है। इसका अर्थ है - माता पिता, सास-ससुर, साधु-महात्मा, गुरुजन एवं अन्य वृद्धजनों की सेवा करना। इस सेवा से उनका आशीर्वाद मिलता है। आशीर्वाद से सुख मिलता है उन्नति होती है। हमारे ग्रंथ पुकार-पुकार कर कहते हैं, "उठो शीघ्र चलो, छात्रों को ही सुन्दर उत्तर स्थान और जहाँ भवन बनाओं भवन में पितरों की (वृद्धों की) बुलाओं, महात्माओं और विद्वानों को बुलाओं। उनसे वार्त्तालाप करो। उनके उपदेश पर गम्भीरता से विचार करो और प्रसन्न रहो।"

#### अथवा

शास्त्रों में चार प्रकार के कर्म बताये गये हैं। नित्यकर्म, नैमित्तिक कर्म, काम्यकर्म, निषिद्धकर्म।

1. प्रतिदिन किये जाने वाले कर्म को नित्यकर्म कहते हैं।
2. किसी निमित्त या कारण से किये जाने वाले कर्म को नैमित्तिक कर्म कहते हैं।
3. कामनाओं की पूर्ति के लिए किये जाने वाले कर्म काम्य कर्म कहे जाते हैं।
4. निन्दित तथा अशुभ कर्म को निषिद्ध कर्म कहा जाता है।



30. वास्तव में अहिंसा या हिंसा का सम्बन्ध मनोवृत्ति से है क्रिया से नहीं। एक कुराल और योग्य डॉक्टर अपने रोगी की बचाने के लिए उसका ऑपरेशन करता है तो क्या आप उसको हिंसक कहेंगे? नहीं, क्योंकि वह सारा काम सात्विक वृत्ति अर्थात् मन, वचन, कर्म से निष्पन्न न लगन से कर रहा है। वह अपने कर्त्तव्य का पालन करता है। सच्चा क्षत्रिय जब युद्ध में देश के शत्रुओं का हनन करता है तो वह हिंसा नहीं करता अपितु अपने कर्त्तव्य का पालन करता है।

वेद का भी आदेश है:-

“हे वीर, राक्षसों का संहार कर। हिंसक को कुचल डाल। जो शत्रु तुम्हें दास बनाना चाहें उन वेरिबों को क्रोध की चूर-चूर कर दें।”

6

### अथवा

पम पौच है-

1. अहिंसा - किसी प्राणी को मन, वचन कर्म से दुःख न देना।
2. सत्य - सदा सच्चाई के मार्ग पर चलना, प्रिय तथा द्वेषकारक सत्य बोलना।
3. अस्तेय - चोरी न करना। जो अपना नहीं, जो अपने परिश्रम से कमाया नहीं उसे दूसरों से लगे का प्रयत्न न करना। जो दूसरों का है उसे न रखना।
4. ब्रह्मचर्य - परमात्मा में ध्यान करना। अपनी इन्द्रियों की धरा में रखना। शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक शक्ति का बढ़ना।
5. अपरिग्रह - आवश्यकता से अधिक जगह न करना।

धर्म-शिक्षा

(संकलनात्मक भूल्यांकन - 1)

खंड-क

प्रश्न एक से दस में सही विकल्प छौटकर लिखें-

1. 'सुप्त' का क्या अर्थ है? 1  
 क) सुंदर ख) तन ग) गमन घ) पुष्प
2. 'इसके नीचे बड़े अभयगण' में 'इसके' का क्या अर्थ है? 1  
 क) ओम् ध्वज ख) पृथ्वी ग) आकाश घ) पुष्प
3. जगत का अनुपम आभार कौन है? 1  
 क) संसार ख) ओम् ग) वेद घ) उपनिषद्
4. आत्म बोध गीत में किसको प्रमाण माना गया है? 1  
 क) गीता ख) रामायण ग) वेद घ) उपनिषद्
5. हे यही ..... नाद निर्विकल्प निर्दिष्ट है। 1  
 क) अनादि ख) क्वादित ग) वैकलिका घ) सर्वमान
6. 'विहाय' का अर्थ है? 1  
 क) जोड़कर ख) त्यगकर ग) समझकर घ) देखकर
7. रामायण किस्सी रचना है? 1  
 क) वेदव्यास ख) कालिदास ग) मागिन घ) वाल्मीकि
8. गुरु गोविन्द सिंह ने अपने शिष्यों को संस्कृत पढ़ने कहाँ भेजा था? 1  
 क) काशी ख) हरिद्वार ग) पटना घ) मथुरा
9. हिन्दी की लिपि क्या है? 1  
 क) ब्राह्मी ख) गुरुमुखी ग) देवनागरी घ) रोमन
10. देवयज्ञ किस कर्म के अंतर्गत आता है? 1  
 क) नित्य कर्म ख) नैमित्तिक कर्म ग) निषिद्ध कर्म घ) काम्य कर्म

खंड - ख

11. 'पाण्डुलेशु कदाचन' का भावार्थ लिखें। 2
12. गीता के अनुसार 'नवानि' तथा 'वासंसि' का अर्थ लिखें। 2
13. 'ब्रह्मयज्ञ' किस प्रकार किया जाता है? 2
14. 'डी. ए. वी. गान' का गायनक कैसे दिनमान का उद्देश्य चाहता है? 2
15. 'डी. ए. वी. गान' के प्रथम मद्य में डी. ए. वी. के लिए किन-किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है? 2

खंड - ग

16. निम्न पंक्तियों का भावार्थ लिखें। 3

वैदिक रवि का ही शुभ उदयन।

आलोकित द्वैर्वै दिशि सारी।।

17. आत्मबोध गीत में भुक्ति प्राप्ति का साधन क्या बताया गया है? 3
18. पराधरणा और यज्ञ का क्या संबंध है? 3
19. ब्रह्मचर्य का क्या अर्थ है? 3
20. यम कितने हैं? उनके नाम लिखें। 3

#### खंड - घ

21. 'ओ३म्' शब्द की व्याख्या करें। 5
22. परमात्म को सविता नाम से पुकारने वाले साधक का क्या कर्तव्य होना चाहिए? 5
23. गुरु गोविन्द सिंह जी ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए कौन-कौन से कार्य किए? 5
24. संस्कृत भाषा के अध्ययन के क्या लाभ हैं? 5
25. शत्रुर्षि दंडन अंग्रेजी के लिए पन्द्रह वर्ष की छूट देने के पक्ष में क्यों नहीं थे? 5

#### खण्ड - ङ

26. ओ३म् मन्त्र की महिमा वर्णन करें। 6

#### अथवा

ओ३म् मन्त्र ..... कोय।

ओ३म् इसका ..... होय।।

इस दोहे को पूरा कर भावार्थ लिखें।

27. गायत्री मंत्र का अर्थ लिखें। 6

#### अथवा

गायत्री मंत्र लिखें तथा गायत्री मंत्र को और किन-किन नामों से जाना जाता है?

28. हिन्दी के प्रचार व प्रसार में स्वामी दयानन्द ने और आर्य समाज ने क्या योगदान दिया? लिखें। 6

#### अथवा

महत्मा गाँधी ने ब्री. ब्री. सी. को भारत के आज़ाद होने के बाद अपना संदेश प्रसारित करने के लिए क्यों नहीं दिया?

29. अतिथि यज्ञ और बलि वैश्वदेव यज्ञ की विधियों का उल्लेख करें। 6

#### अथवा

देवयज्ञ में अग्नि के कितने रूप हो जाते हैं, वर्णन करें।

30. विद्यार्थी जीवन में ब्रह्मचर्य का क्या महत्त्व है? 6

#### अथवा

अस्तेव तथा अपारिग्रह का क्या संबंध है?

## धर्म शिक्षा

(संकलनात्मक मूल्यङ्कन-1)

अंक विभाजन तथा उत्तर संकेत

1.	घ) पुष्प	1
2.	क) ओ३म् ध्वज	1
3.	ख) ओ३म्	1
4.	ग) वेद	1
5.	क) अनादि	1
6.	ख) त्यागकर	1
7.	घ) वाल्मीकि	1
8.	क) काशी	1
9.	ग) देवनागरी	1
10.	क) नित्य कर्म	1

### खंड - ख

11.	'मा फलेषु कदाचन' - मनुष्य का अधिकार केवल कर्मों में है, उनके फलों में नहीं। अतः हमें कर्म करते हुए फल को चिंतन नहीं करनी चाहिए।	2
12.	नवानि-नए वासोंसि-वस्त्र	2
13.	प्रातः सायं ठीक प्रकार स्नान करके आत्मा तथा परमात्मा का चिंतन करना, ईश्वर के ओ३म् अथवा अन्य किसी नाम का ध्यानमग्न होकर जप करना।	2
14.	धर्मभक्ति और राष्ट्रभक्ति	2
15.	अधिरल, निर्मल, सशिल, सद्य, ज्ञान-प्रदायिनो व ज्योतिर्मय।	2

### खंड - ग

15.	वेदों के ज्ञान से सभी प्रकार के अविद्या रूपी अंधकार का नाश हो जाता है।	3
17.	इच्छाओं को त्यागकर ईश्वर के ओ३म् अथवा अन्य किसी भी नामों के नियमित जप से मनुष्य विवेकशील बनता है और उसे संसार के दुःखों से मुक्ति मिलती है।	3
18.	वेद मंत्रों के उच्चारण, आग्न और आहुतियों का प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। मज से वर्ष-जल की शुद्धि होती है। जल की शुद्धि से अन्न और भोजन की शुद्धि होती है।	3
19.	औंख, कान, नाक, निहवा, त्वचा, मन, बुद्धि आदि इन्द्रियों पर नियंत्रण रखना ही ब्रह्मचर्य कहलाता है।	3
20.	यम पाँच हैं- अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य व अर्थाग्रह।	3

### खंड - घ

21.	'ओ३म्' शब्द अ, उ, म् इन तीन वर्णों से मिलकर बना है। 'अ' वर्ण सृष्टि के मध्य का व 'म्' वर्ण सृष्टि के अन्त का प्रतीक है। ओ३म् ईश्वर का सर्वश्रेष्ठ नाम है। भाव यह है कि ईश्वर को सृष्टि को उत्पन्न करता है, वही इसका पालन करता है और अंत में वही इसे समेट लेता है।	5
-----	---	---

22. 'सविता' परमात्मा की प्रकाशानु शक्ति का नाम है। जिस प्रकार परमात्मा अपनी सविता शक्ति द्वारा सृष्टि प्रकृति को प्रेरणा करके सृष्टि को रच देता है, उसी प्रकार परमात्मा की सविता नाम से पुकारने वाले साधक का कर्तव्य है कि वह अपने आपको व दूसरों को प्रेरणा देकर अज्ञान को दूर करे व सभी मनुष्यों की ईश्वर-शक्त, वेद भवत व जनता को सेवक बनाने का प्रयत्न करे। 5
23. गुरु गोविन्द सिंह ने संस्कृत के प्रचार-प्रसार के लिए प्रत्येक सिख रिवाज में संस्कृत की निःशुल्क पाठशालाएँ चलावाईं। उन्होंने अपने कुछ शिष्यों को संस्कृत पढ़ने के लिए काशी भेजा। उनके 'दशम-ग्रन्थ' में भी संस्कृतविष्ट हिन्दी का प्रयोग हुआ है। 5
24. 1. संस्कृत जानने वालों को विश्व-भर की विभिन्न भाषाओं को सीखने में, दूसरों की अपेक्षा कम समय लगता है।  
2. संस्कृत भाषा हमें अपनी संस्कृति से परिचित करती है।  
3. संस्कृत व्याकरण और अनुवाद को सीखने से बुद्धि तेज होती है, अतः गणित व विज्ञान विषय सरलता से सीख जाते हैं।  
4. कंप्यूटर के लिए भी सबसे सरल व उपयुक्त भाषा संस्कृत ही मानी जाती है।  
5. अध्यात्म, ज्योतिष, कर्मकांड आदि कई विषय केवल संस्कृत के माध्यम से जाने जाते हैं। 5
25. राजर्षि टंडन नेहरू जी की अंग्रेजी भक्ति से पूर्व परिचित थे। उन्हें पूर्ण विश्वास था कि यदि एक बार अंग्रेजों को लिए 15 वर्ष की छुट्टी दी गई तो हिन्दी कभी राष्ट्रभाषा नहीं बनेगी। हुआ भी वही जो उनको आशंका थी क्योंकि 15 वर्ष पूरे होने से पहले टंडन जी और बालकृष्ण स्वर्गवासी हो गए। अक्टोबे सेठ गोविन्द दास बचे। इसका लाभ लेते हुए नेहरू जी ऐसा विधेयक पक्ष कराने में सफल हो गए जिससे अंग्रेजी भाषा हमेशा के लिए रह गई।

### खंड - ४

26. 1. ओ३म् नाम के जप से वाणी में पवित्रता आती है।  
2. मनुष्य की सभी शुभकामनाएँ पूर्ण हो जाती हैं।  
3. मनुष्य धर्म, अर्थ, काम व मोक्ष स्वाधीन बन जाता है।  
4. ओ३म् नाम के जप से रसना रसना रसीली हो जाती है।  
5. ओ३म् का जप करने वाला जीवन संग्राम में कभी निरास नहीं होता।  
6. ओ३म् जगत् का अनुपम आधार है। 6

### अथवा

ओ३म् नाम सबसे बड़ा, इससे बड़ा ने कोय।

जो इसका सुमिरन करे शूद्र आत्मा होय।।

साधार्थ - ओ३म् नाम ईश्वर के सभी नामों में सर्वश्रेष्ठ है। जो मनुष्य इस नाम का जप करता है उसकी आत्मा पवित्र हो जाती है। उसके सभी पाप नष्ट हो जाते हैं।

27. 'ओ३म्' यह परमेश्वर का निज नाम है, 'गुः' जो प्राणों का भी प्राण, 'भुवः' सब दुःखों को सुझाने वाला, 'स्वः' स्वयं सुखस्वरूप और अपने उपासकों को सब सुखों की प्राप्ति कराने वाला है, उस 'सवितुः' सब जगत की उत्पत्ति करने वाले, सूर्यादि प्रकाशकों के भी प्रकाशक, समग्र ऐश्वर्य के दाता, 'विष्वक्' कामना करने योग्य देव

की 'भर्गः' सब कलेशों को भस्म करने वाले, पवित्र, शुद्धस्वरूप; 'तत्' उस परमात्मा को हम लोग, 'धौमहि' धारण करें। 'धियो यो नः प्रचोदयात्' जो हमारी बुद्धियों को सन्मार्गों की ओर प्रेरित करना है।

6

### अथवा

ओ३म् धूर्धुवः स्वः । तत्सवितुर्वरेण्यम् भर्गो देवस्य धीमहि । धियो यो नः प्रचोदयात् ।।

इस मंत्र को सावित्री मंत्र, गुरुमंत्र, महामंत्र सविता मंत्र आदि नामों से पुकारा जाता है।

28. स्वामी दयानन्द ने गुजराती होते हुए भी हिन्दी को अपनाया। उन्होंने अपने ग्रन्थ हिन्दी में लिखे। उन्होंने हिन्दी को जायदाबाद का नाम दिया और सभी देशवासियों को इसे पढ़ने की सलाह दी। इसके पश्चात् आर्यसमाज ने हिन्दी के प्रचार के लिए हिन्दी में समाचार पत्र व पत्रिकाएँ निकाली। दक्षिण भारत, किजी नॉरीशस आदि में हिन्दी का प्रचार किया। आर्य विद्वानों द्वारा हिन्दी में कई साहित्यिक पुस्तकें लिखी गईं।

6

### अथवा

भारत के आजाद होने के समय तक जॉ. बी. ए. से हिन्दी में प्रसारण नहीं हो सके थे। गौंधी जी विदेशी भाषा अंग्रेजी को प्रोत्साहन नहीं देना चाहते थे। इसलिए जब जॉ.बी. ए. की अधिकारी उनसे अंग्रेजी में रदिस लेने पहुँचे तो उन्होंने यह कहकर उन्हें वापिस भेज दिया कि "दुनिया को भूल जाना चाहिए कि गौंधी अर्थात् (भारत) अंग्रेजों जानता है।

29. अतिथि यज्ञ - बिना सूचना दिए, बिना बुलाए, अपरिचित रूप से घर आने वाले व्यक्ति का स्वागत-सत्कार करना, उसे खाने-पीने को देना अतिथि यज्ञ कहलाता है।

शलिवेश्वदेव यज्ञ - इसका अर्थ है सगस्त प्राणियों को कल्याण हेतु प्रयत्न करना; दान देना; स्वयं भोजन करने से पूर्व यज्ञ की अग्नि में अथवा रसोई के चूल्हे में नमक के वस्तुओं को छोड़कर मोठा मिला हुए अन्न की प्राणियों के लिए आहुति देना। जैसे चींटियों को आटा, चिड़ियों को भुगा, पानी आदि देना भी इस यज्ञ में आता है।

### अथवा

देवयज्ञ में अग्नि के तीन रूप हो जाते हैं-

पहला रूप वह राख है जो अग्नि शांत होने के बाद हवन कुंड में रह जाती है।

दूसरा रूप इसकी सुगंध व इन वस्तुओं का गुण है जो वायुमंडल में फैल जाती है।

तीसरा रूप श्रद्धा व विश्वास की वे भावनाएँ हैं जो यज्ञ करने वाले के अंतर्मन (सूक्ष्म रसोरी) में प्रभाव डालती हैं और उसे इस लोक व परलोक में सुख देती हैं।

दम पाँच हैं-

1. अहिंसा-किसी प्राणी को मर, चमन, कर्म से दुःख न देना।
2. सत्य-सदा सच्चाई के मार्ग पर चलना, प्रिय तथा द्विदकारक सत्य बोलना।
3. अस्तेय-चोरी न करना, जो अपना नहीं, जो अपने परिश्रम से कम्पया नहीं, उसे लेने का प्रयत्न नहीं करना।
4. ब्रह्मचर्य-परमात्मा का ध्यान करना, अपनी इंद्रियों को वश में रखना। शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक शक्ति को बढ़ाना।
5. अपरिग्रह-आवश्यकता से अधिक जमा नहीं करना।

6

### अथवा

अस्तेय का अर्थ है-चोरी न करना। जो वस्तु अपनी नहीं है, उसका मूल्य दिय बिना य पूछे बिना उसे न लेना। अपरिग्रह का अर्थ है- अपनी आवश्यकता से अधिक वस्तुओं का संग्रह न करना। हमारी आवश्यकताएँ जितनी बढ़ेंगी उन्हें पूरा करने के लिए अनुचित उपर्यो से धन संग्रह करने की प्रवृत्ति भी बढ़ेगी। इससे रिश्वतखोरी, पिलावट व अन्य प्रकार की चोरी को बढ़ावा मिलेगा। यही चोरी 'स्तेय' है। 'अपरिग्रह' का पालन करने से अस्तेय का पालन स्वतः हो जाता है। अस्तेय और अपरिग्रह के पालन से संसार में सुख और शांति फैलेगी व सभी आर्थिक संकट दूर होंगे।

## धर्म शिक्षा

## खंड - क

- |     |  |             |             |               |
|-----|--|-------------|-------------|---------------|
| 1.  | 'आलोकित' शब्द का क्या अर्थ है ?        |             |             | 1             |
|     | क) अंधकार                              | ख) दिन      | ग) प्रकृशित | घ) रात्रि     |
| 2.  | 'व्योम' शब्द का अर्थ है ?              |             |             | 1             |
|     | क) पृथ्वी                              | ख) आग       | ग) पाताल    | घ) आकाश       |
| 3.  | भगवान का सर्वश्रेष्ठ नाम क्या है ?     |             |             | 1             |
|     | क) विष्णु                              | ख) ओ३म्     | ग) गणेश     | घ) प्रकाश     |
| 4.  | 'रसना' किसके ज्ञाप से रसीली होती है ?  |             |             | 1             |
|     | क) सूक्ति                              | ख) ओ३म्     | ग) श्लोक    | घ) गीत        |
| 5.  | अनादि नाद का त्याग कौन करते हैं        |             |             | 1             |
|     | क) संन्यासी                            | ख) व्यापक   | ग) विरक्त   | घ) पापी       |
| 6.  | श्रीकृष्ण ने गीता का उपदेश किसे दिया ? |             |             |               |
|     | क) भीम                                 | ख) दुर्योधन | ग) अर्जुन   | घ) अभिमन्यु   |
| 7.  | मनुष्य का अधिकार किसमें है ?           |             |             |               |
|     | क) फल                                  | ख) आलस्य    | ग) कर्म     | घ) प्रेम      |
| 8.  | अर्थशास्त्र के रचयिता कौन है ?         |             |             | 1             |
|     | क) कार्लदास                            | ख) मेदथ्यास | ग) कौटिल्य  | घ) धार्ल्पीकि |
| 9.  | भारत की राष्ट्रभाषा कौन सी है ?        |             |             | 1             |
|     | क) संस्कृत                             | ख) हिन्दी   | ग) अंग्रेजी | घ) पंजाबी     |
| 10. | योग के कितने अंग हैं ?                 |             |             | 1             |
|     | क) दस                                  | ख) पाँच     | ग) आठ       | घ) बारह       |

## खंड - ख

11. अनादि नाद को कौन नहीं भूलते ?
12. प्रेम के प्रयोगी का अर्थ लिखिए।
13. डॉ. ए. बी. खरे वेद प्रणीत क्यों कहल गया है ?
14. डॉ. ए. बी. गान में किस उद्धोष की कल्पना की गई है ?
15. 'अपरिग्रह' का अर्थ लिखें

## खंड - घ

16. वेद ज्ञान के घर-घर में भर जाने से क्या लाभ होता है ?
17. 'वाससि,' जौणीनि एयं विहाय' का अर्थ लिखें।
18. पितृयज्ञ किस प्रकार किया जाता है ?



19. माता की तीर्थ क्यों कहा गया है? यह किस यज्ञ के अन्तर्गत आता है।  
 20. वम का क्या अर्थ है?

खंड - घ

21. गौरी नाम की कोई छंद विशेषताएँ लिखें? 5  
 22. जबहि नाम हिरदय धरयो भयो पाप को नास। 5  
 जैसे भिन्गी आग को, दह्यो पुराने कास।।  
 इस दोहे का भावार्थ लिखें।  
 23. गायत्री मन्त्र का जप कब फलीभूत होता है? 5  
 24. क्या संस्कृत विश्वभाषा बन सकती है? कैसे? 3  
 25. लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने हिन्दी के सम्बन्ध में क्या कहा था? 5

खंड - छ

26. गायत्री मंत्र के जप की विधि, समय तथा स्थान बताइए। 6

अथवा

- सविता शक्ति द्वारा मानवी पुरुषार्थ के बारे में लिखिए।  
 27. गुरु गोविन्द सिंह ने संस्कृत के लिए क्या किया है? 6  
 संस्कृत भाषा और भारतवासियों का स्वतंत्र और भूत का सा सम्बन्ध किस प्रकार है?  
 28. आज देश में हिन्दी को जो स्थान प्राप्त है, उसकी समीक्षा करें? 6  
 महात्मा गाँधी जी ने बी.बी.सी. को अपना सन्देश प्रसारित करने के लिए क्यों नहीं दिया?  
 29. चार प्रकार के कर्म कौन-कौन से हैं? उनके नाम और स्वरूप बताएँ। 6  
 ब्रह्मयज्ञ से क्या अभिप्राय है? इसे किस प्रकार किया जाता है?  
 30. "अर्थिक का सम्बन्ध मनोवृत्ति से है क्रिया से नहीं" इसे उदाहरण द्वारा स्पष्ट करें। 6  
 वम कितने हैं? प्रत्येक का नाम लिखकर किन्हीं तीन का अर्थ लिखिए।

## धर्म शिक्षा

## संकलनात्मक मूल्यांकन-1

## खण्ड - क

1. ग) प्रकाशित
2. घ) आकाश
3. ख) ओ३म्
4. छ) ओ३म्
5. ष) पापी
6. ग) अर्जुन
7. ग) कर्म
8. ग) कौटिल्य
9. ख) हिन्दी
10. ग) आट

## खण्ड - ख

11. अनादि नाद को पूजनीय, संन्यासी एवं योगी जन नहीं भूलते।
12. ईश्वर से प्रेम करने वाला ईश्वर का भक्त।
13. वेद से निर्मित तथा अत्यन्त पवित्र धारा को कहा गया है।
14. डी. ए. वॉ. गान में 'डी. ए. वी. की जय हो' इस अभय उद्धोष की कामना की गई है।
15. आवश्यकता से अधिक जमा न करना।

## खण्ड - ग

16. संसार से अविद्या का नाश होगा और सर्वत्र सुख शान्ति फैलेगी।
17. वासंसि-वस्त्र, जीर्णानि-पुराने, विहाय-छेड़कर
18. इसमें माता-पिता, सास-ससुर, साधु-महात्मा, गुरुजन, परिवार तथा समाज के वृद्धजनों की सेवा की जाती है। भोजन तथा वस्त्र आदि से इन्हें प्रसन्न किया जाता है।
19. क्योंकि उसकी सेवा करने वाला तर जाता है। यह पितृयज्ञ के अन्तर्गत आता है।
20. वश में करना, अनुशासन और पर्यादा में रखना।

## खण्ड - घ

21. 1. वाणी में पवित्रता आती है।
2. मनुष्य की सभी शुभकामनाएँ पूर्ण होती हैं।
3. ओ३म् जगत का अनुपम आधार है।
4. ओ३म् नाम के जप से रसना रसीली हो जाती है।
5. ओ३म् नाम मानव के मन मन्दिर की ज्योति का प्रकाश है।

22. जैसे ही परमात्मा के पवित्र ओम नाम को हम अपने हृदय में धारण करते हैं तो हमारे सारे पापकर्म जैसे नष्ट हो जाते हैं, जैसे आग को एक छोटी सी चिनगारी पुरानी घास को जलाकर राख कर देती है।
23. गायत्री मंत्र का जाप तभी फलीभूत होता है जब पहले इसके अर्थ हृदय में धारण कर लिये जाएं और गायत्री मंत्र के आदेशानुसार अपना चरित्र भी बनाया जाये अर्थात् गायत्री मंत्र साधक के जीवन में औत्त प्रोत् हो जाये।
24. हाँ, संस्कृत विश्वभाषा बन सकती है। संस्कृत भाषा नियम में चलने के कारण सीखने में किसी दूसरी भाषा की अपेक्षा अधिक सरल है। इसकी सरलता, सरसता और भावों को आदन-प्रदान की क्षमता अन्य भाषाओं की अपेक्षाकृत अधिक है। संसार के सब विद्वान् इस बात से सहमत हैं कि कम्प्यूटर के लिए सबसे सरल एवं उपयुक्त भाषा संस्कृत है।
25. "मेरा यह सुनिश्चित मत है कि विदेशी भाषा के अनिवार्य रहते हमारे शिक्षार्थियों में राष्ट्रीय स्वाभिमान का विकास नहीं हो सकता स्वतन्त्र भारत में अंग्रेजी को अनिवार्य रखना राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतिकूल है।

#### खण्ड - ड

26. गायत्री मंत्र के जप की विधि-श्रद्धा और विश्वासपूर्वक स्थिरचित्त से अर्थ चिन्तन सहित गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए। समय-प्रातः स्नान के पश्चात् तथा रात्रि में सोने के पूर्व गायत्री मंत्र का जप करना चाहिए। स्थान - जप का स्थान पवित्र और शान्त होना चाहिए।

#### अथवा

परमात्मा अपनी सविता शक्ति द्वारा सुप्त प्रकृति को प्रेरणा करके सृष्टि की रचना करता है। इसलिए परमात्मा को सविता नाम से पुकारने वाले भक्त को चाहिए कि वह भी अपने आपको और दूसरों को प्रेरणा करके अज्ञान की निद्रा करे और सब मनुष्यों को ईश्वर भक्त, वेदभक्त तथा जनता का सेवक बनाने का यत्न करे।

27. गुरु गोविन्द सिंह जी संस्कृत के बड़े भक्त थे। उन्होंने अपने कुछ शिष्यों को संस्कृत पढ़ने काशी भेजा था। उनका 'दशम ग्रन्थ' यद्यपि हिन्दी में है किन्तु संस्कृत के ज्ञान के बिना उसे अच्छी तरह समझ पाना असम्भव है। गुरुजी के संस्कृत प्रेम के कारण ही प्रत्येक सिख रियासत में संस्कृत की निःशुल्क पाठशालाएँ चलती रहीं।

#### अथवा

28. संस्कृत भाषा ने भारत की संस्कृति तथा सभ्यता का निर्माण किया है। भारत की आधुनिक भाषाएँ संस्कृत भाषा से ही निकली हैं। अतएव संस्कृत अन्य भाषाओं की जननी है। भारतवासियों का प्राचीन साहित्य वेद, ब्राह्मण, उपनिषद, दर्शन, धार्मिक ग्रन्थ और इतिहास आदि संस्कृत में ही हैं। संस्कृत ज्ञान के बिना भारतीयों के अस्तित्व की रक्षा असम्भव है। इसलिए संस्कृत और भारतवासियों का माता और पुत्र का सम्बन्ध है।
28. आज कहने को हिन्दी भारत की "राष्ट्रभाषा" है किन्तु उसे यह स्थान नहीं मिल रहा जिसकी वह अधिकारिणी है। हिन्दुस्तान के साधारण लोग अपनी अंग्रेजी के अज्ञान पर शर्म से सिर झुका लेते हैं और अंग्रेजी विदेशी भाषा के न जानने पर बहुत दुःख महसूस करते हैं। हिन्दी भारतीयों की भावनात्मक अभिव्यक्ति का एक मात्र माध्यम है। इसके अभाव में भारतीयता की अभिव्यक्ति हो ही नहीं सकती।

#### अथवा

देश के स्वतन्त्र होने पर बी.बी.सी. के अधिकारी गाँधी जी से संदेश लेने पहुँचे थे जिससे वे रेडियो पर उसे सुना सकें। उन दिनों बी.बी.सी. से हिन्दी में प्रसारण नहीं होता था, केवल अंग्रेजी में ही प्रसारण होता था। गाँधी जी हिन्दी

में अपना संदेश प्रसारित करना चाहते थे। इसलिए उन्होंने संदेश नहीं दिया। उन्होंने बी.बी.सी. के अधिकारियों को यह कहकर वापस लौटा दिया कि "दुनिया को भूल जाना चाहिए कि गाँधी अर्थात् भारत अंग्रेजी जानता है।

29. चार प्रकार के कर्म -

- 1) नित्य कर्म - प्रतिदिन किये जाने वाले कर्म को नित्यकर्म कहते हैं यथा, सन्ध्या, उपासना।
- 2) नैमित्तिक कर्म - किसी निमित्त या कारण से किये जाने वाले कर्म अर्थात् पर्व, उत्सव, संस्कार आदि।
- 3) काम्य कर्म - कामनाओं की पूर्ति के लिए किये जाने वाले कर्म कहलाते हैं जैसे - धर्षा हेतु यज्ञ करना।
- 4) निषिद्ध कर्म - ऐसे कर्म जिन्हें शास्त्रों में न करने के लिए कहा गया है निषिद्ध कर्म कहते जाते हैं जैसे - गौ हत्या, धोखा, देशद्रोह आदि।

#### अथवा

ब्रह्म यज्ञ का अर्थ है - सन्ध्या अर्थात् ईश्वर की उपासना करना, परमात्मा का चिन्तन करना, ध्यान में बैठ जाना और ध्यान मग्न होकर ओ३म्, गायत्री मन्त्र व अन्य नाम का जप करना। प्रातः सांघ ठीक प्रकार स्नान करके, स्वच्छ वस्त्र पहनकर ब्रह्म मुहूर्त में (सूर्योदय से पूर्व) और सांघ को सूर्यास्त से पूर्व यह यज्ञ किया जाता है।

30. वास्तव में अहिंसा या हिंसा का सम्बन्ध मनोवृत्ति से है। एक कुशल और योग्य डॉक्टर अपने रोगी को बचाने के लिए उसका ऑपरेशन करता है तो क्या आप उसको हिंसक कहेंगे? कदापि नहीं, क्योंकि वह सारा काम सात्त्विक वृत्ति अर्थात् मन, वचन और कर्म से निष्ठा व लग्न से कर रहा है। वह अपने कर्तव्य का पालन कर रहा है।

#### अथवा

यम पाँच हैं। अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह।

1. अहिंसा - किसी प्राणी को मन, वचन, कर्म से दुःख न देना।
2. सत्य - सदा सच्चाई के मार्ग पर चलना, प्रिय तथा हितकारक सत्य बोलना।
3. अस्तेय - चोरी न करना। जो अपना नहीं, जो अपने परिश्रम से कमाया नहीं उसे दूसरों से लेने का प्रयत्न न करना। जो दूसरों का है उसे न रखना।

धर्म शिक्षा  
(खण्ड - क)

- |     |   |             |                      |                      |
|-----|---|-------------|----------------------|----------------------|
| 1.  | हेश्वर का सर्वश्रेष्ठ नाम कौन सा है ?             |             |                      |                      |
|     | क) ओम्  | ख) राम      | ग) कृष्ण             | घ) विष्णु            |
| 2.  | "ओंकार एवेद सर्वम्" किस ग्रंथ में लिखा है ?       |             |                      |                      |
|     | क) वेद  | ख) उपनिषद्  | ग) दर्शन             | घ) गीता              |
| 3.  | गीता का उपदेश किसने दिया था ?                     |             |                      |                      |
|     | क) राम  | ख) कृष्ण    | ग) भीष्म             | घ) युधिष्ठिर         |
| 4.  | हमारा अधिकार किसमें है ?                          |             |                      |                      |
|     | क) कर्म में                                       | ख) फल में   | ग) कर्म-फल दोनों में | घ) इनमें से कोई नहीं |
| 5.  | 'धिर्षो' का अर्थ है .....                         |             |                      |                      |
|     | क) ज्ञान से                                       | ख) धर्म को  | ग) कर्म को           | घ) बुद्धि को         |
| 6.  | 'देवखणी था सुरमारी' किस भाषा को कहा गया है ?      |             |                      |                      |
|     | क) अंग्रेजी                                       | ख) पालि     | ग) संस्कृत           | घ) प्राकृत           |
| 7.  | हिन्दी का संस्कृत निज रूप कितने मत से विजयी हुआ ? |             |                      |                      |
|     | क) चार मत   | ख) तीन मत   | ग) दो मत             | घ) एक मत             |
| 8.  | शास्त्रों में कितने प्रकार के कर्म बताए गए हैं ?  |             |                      |                      |
|     | क) एक   | ख) दो       | ग) चार               | घ) पाँच              |
| 9.  | 'आविरल' शब्द का अर्थ है .....                     |             |                      |                      |
|     | क) पवित्र   | ख) स्वच्छ   | ग) निरन्तर           | घ) ज्ञान             |
| 10. | योग दर्शन के रचयिता कौन हैं ?                     |             |                      |                      |
|     | क) महर्षि पराशरि                                  | ख) वाग्भट्ट | ग) वशिष्ठ            | घ) चरक               |

खण्ड - ख

- |     |  |  |  |   |
|-----|--|--|--|---|
| 11. | 'ज्योम' एवं 'सुधा' शब्द का अर्थ लिखिए। |  |  | 2 |
| 12. | 'प्रेम के प्रयोगी' का अर्थ बताइए।      |  |  | 2 |
| 13. | 'कर्मण्येवाधिकारस्ते' का भाव लिखिए।    |  |  | 2 |
| 14. | काम्य कर्म किसे कहते हैं ?             |  |  | 2 |
| 15. | 'अहिंसा' किसे कहते हैं ?               |  |  | 2 |

खण्ड - ग

- |     |  |  |  |   |
|-----|--|--|--|---|
| 16. | ओम् शब्द को, सर्वभौम शब्द क्यों कहा गया है ?     |  |  | 3 |
| 17. | ओम् नाद का त्याग कौन करते हैं ?                  |  |  | 3 |
| 18. | देवयज्ञ पर्यावर्तन से किस प्रकार सम्बन्धित हैं ? |  |  | 3 |

19. 'डी ए वी गल' में डी ए वी के लिए किन किन विशेषणों का प्रयोग किया गया है? 3
20. ब्रह्मचर्य का वार्षिक लिखिए। 3

## खण्ड - घ

21. ओ३म् नम की महिमा बताइए। 5
22. ओ३म् के बारे में उपनिषदों ने एवं गुरुनानक देव जी ने क्या कहा है? 5
23. साविता शक्ति द्वारा मानवी पुरुषार्थ के बारे में लिखिए। 5
24. संस्कृतभाषा और भारतवासियों का माता और पुत्र का सा सम्बन्ध किस प्रकार है? 5
25. श्री राहुल सांस्कृत्यायन ने हिन्दी के बारे में क्या कहा है? 5

## खण्ड - ङ

26. गायत्री मंत्र का और किस-किस नाम से पुकारा जाता है एवं इसकी महिमा बताइए। 6

## अथवा

महात्मा आनन्द आसी के प्राप्त हुए गायत्री जाप के फल का उल्लेख कीजिए।

27. हमें संस्कृत भाषा का अध्ययन क्यों करना चाहिए? 6

## अथवा

गुरु गोविन्द सिंह जी ने संस्कृत को क्या दिया है?

28. महात्मा गाँधी ने बी.बी.सी. को भारत के आज़ाद होने पर अपना सन्देश प्रसारित करने के लिए क्यों नहीं दिया? 6

## अथवा

लोकनायक जयप्रकाश नारायण ने हिन्दी के बारे में क्या कहा था?

29. ब्रह्मयज्ञ से क्या अभिप्राय है? इसे किस प्रकार किया जाता है? 6

## अथवा

पितृयज्ञ एवं बलिर्वेश्वदेव यज्ञ की विधियों का उल्लेख करें।

30. अस्तेय से आप क्या समझते हैं? स्पष्ट करें। 6

## अथवा

अपरिग्रह की व्याख्या कीजिए।



धर्म शिक्षा  
संकलनात्मक मूल्यांकन-1

खण्ड - क

1. क) ओ३म्
2. ख) उपनिषद्
3. ख) कृष्ण
4. क) कर्म में
5. घ) बुद्धि में
6. ग) संस्कृत
7. घ) एकमत
8. ग) चार
9. ग) निरन्तर
10. क) महर्षि परतञ्जलि

खण्ड - ख

11. आकाश एव अमृत।
12. ईश्वर का भक्त।
13. तेरा अधिकार कर्म में ही है
14. कामनाओं की पूर्ति के लिए किए जाने वाले कर्म काम्य कर्म कहे जाते हैं।
15. अहिंसा : किसी प्राणी को मन, वचन, कर्म से दुःख न देना।

खण्ड - ग

16. क्योंकि यह ईश्वर का प्रतीक होते हुए हमारे जीवन को सभी क्षेत्रों में प्रगति करने की प्रेरणा देता है। यह हमें सभी मानवीय गुणों को धारण करने की प्रेरणा देता है।
17. अभी, अशक्त, पोच, पापी, रोगी इसमें से कोई तीन।
18. वेद-मन्त्रों के उच्चारण, अग्नि और आहुतियों का प्रभाव पर्यावरण पर पड़ता है। अग्निहोत्र में घृष्टि, वर्धा और जल की शुद्धि होकर वृष्टि द्वारा संसार को सुख प्राप्त होता है।
19. अविरल निर्मल, सलिल, सदय, ज्ञान प्रदायिनी ज्योतिर्मय।
20. आँख, कान, नाक, जिह्वा, त्वचचा, मन, बुद्धि आदि इन्द्रियों पर नियन्त्रण रखना ही ब्रह्मचर्य कहलाता है।

खण्ड - घ

21. 1) ओम् नाम भगवान का सर्वानन्द निधान, सब नामों में श्रेष्ठ है करते वेद बखान।
- 2) ओम् नाम के जप से मनुष्य धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष सभी सुखों का स्वामी बन जाता है।
- 3) वाणी में पवित्रता आती है।
- 4) मनुष्य की सभी शुभकामनाएँ पूर्ण हो जाती है।

- 5) ओम् जगत का अक्षुण्ण आधार है।  
 6) ओम् नाम मानव के मन - गन्दिर की ज्योति का प्रकार है।  
 7) ओम् नाम के जप से रसना रसीली हो जाती है।

(इसमें है कोई पाँच)

22. उपनिषदों ने श्रुत कहा है :

ओंकार एतेदं सर्वम्।

अर्थात् यह सब कुछ ओम् ही है।

जो पहले था, जो है, जो आगे होगा सब ओंकार है। अर्थात् ओंकार सदा रहता है और जब वह सब कुछ नहीं रहता तब भी ओंकार विद्यमान रहता है।

गुरु नानकदेव जी ने कहा कि "एक ओंकार सात् नम कर्ता पुरख"। ओम् और ओंकार दोनों का तात्पर्य एक ही है।

23. जिस प्रकार परमात्मा अपनी सविता शक्ति द्वारा सृष्ट प्रकृति की प्रेरणा करके सृष्टि को रच देता है इसी प्रकार 'परमात्मा को' 'सविता' नाम से पुकारने वाले स धर्म का भी कर्तव्य हो जाता है कि वह अपने आपकी और दूसरों की प्रेरणा करे अज्ञान की निंदा को दूर करे और सब मनुष्यों को ईश्वर भक्त, वेद भक्त तथा जनता-जनार्दन का संघर्ष बनाने का चतन करे।

24. संस्कृत और भारतवासियों का माता और पुत्र का सम्बन्ध है। संस्कृत भाषा सारी भाषाओं से प्राचीन है, अतएव संस्कृत अन्य भाषाओं की जननी है। इस भाषा को सद्भाव, मधुरता और व्यापकता किसी भाषा में नहीं है। संस्कृत के भंडार से ही विभिन्न भाषाओं के शब्द निकले हैं और निकलते जा रहे हैं। समस्त प्राचीन साहित्य, वेद, ब्राह्मण, उपनिषद् दर्शन, धार्मिक ग्रन्थ और इतिहास आदि संस्कृत में लिखे गए हैं, अपने अस्तित्व की रक्षा के लिए भी संस्कृत का ज्ञान होना बहुत आवश्यक है।

25. श्री रहूल सांस्कृत्यायन ने यह प्रमाणपूर्वक सिद्ध किया कि सारे भारत के पूर्व, पश्चिम और साधुओं के अखाड़ों का हिस्सा-किताब (बाहे में पूर्व के हैं या दक्षिण या पश्चिम के) आज से दो हजार साल पहले भी हिन्दी में ही चलता था। वह सारे देश की संपर्क भाषा थी।

### खण्ड - 3

26. गायत्री मन्त्र को सावित्री मन्त्र, गुरु मन्त्र, वेद माता, महामन्त्र आदि अनेक नामों से पुकारा जात है। गायत्री की महिमा का वर्णन करते हुए कहा गया है, समस्त दुःखों को अपार भागर से पर करने वाली गायत्री है। इसलिए इसको पापनिवारणी, दुःख हारनी, त्रिलोक तारनी कहते हैं।

### अथवा

महात्मा आनन्द स्वामी ने गायत्री जप के लाभ का वर्णन करते हुए कहा है कि जब ये आठ या नौ वर्ष के थे तो मन्द बुद्धि होने के कारण बड़े निराश रह करते थे। उनकी इस दमनीय अवस्था को सुनकर स्वामी नित्यानन्द जी ने उन्हें गायत्री मन्त्र दिया और प्रातः काल होने से पूर्व इस मन्त्र को अर्ध जप और अनुकूल आचरण सहित जप करने का आदेश दिया। इसका परिणाम यह हुआ कि उनके जीवन की काया पलट गई। वे प्रतिदिन उन्नति करने लगे। कक्षा में प्रधान आने लगे। युवावस्था में भी वे इस अर्थ - सहित गायत्री जप के उभाव से सदा आगे ही बढ़ते गए।



27. संस्कृत भाषा विषय में चलने के कारण सांख्य ने किसी दूसरी भाषा की अपेक्षा अधिक सरल है। इसके व्याकरण और अनुवाद का शिक्षण बुद्धि को वह दिशा प्रदान करता है। जिससे ज्ञान का गणित तथा विज्ञान के विषयों में प्रवेश सुगम हो जाता है। संस्कृत में भौतिक ज्ञान तथा धर्म की मोटी-मोटी बातों के साथ-साथ आध्यात्म विद्या का, असीम ज्ञान का अक्षय भंडार विद्यमान है। वैद्यक में चरक, नीतिशास्त्र में कौटिल्य के अर्थशास्त्र जैसे ग्रन्थ दूसरी भाषाओं में नहीं हैं। कालिदास, कणभट्ट, भवृहरि जैसे कवि भी अन्य भाषाओं में दुर्लभ हैं। ज्योतिष, तन्त्रशास्त्र एवं कर्मकांड पर मार्क संस्कृत का ही एकमात्र अधिकार है। अतः सभी को संस्कृत का अध्ययन अवश्य करना चाहिए।

#### अथवा

गुरु गोकुण्ड सिंह जी संस्कृत के बड़े भक्त थे। उन्होंने अपने कुछ शिष्यों को संस्कृत पढ़ने काशी भेजा था। उनका 'दशम ग्रंथ' यद्यपि हिन्दी में है किन्तु संस्कृत के ज्ञान के बिना उसे अच्छी तरह समझ पाना असम्भव है। गुरुजी के संस्कृत प्रेम के कारण ही प्रत्येक सिख शिष्यागत में संस्कृत की निःशुल्क पाठशालाएँ चलती रहीं।

28. उन्हें यह कहकर लौटा दिया "दुनिया को भूल जाना चाहिए कि गौंधी (अर्थात् भारत) अंग्रेजी जानती है।" गौंधी जी तो कहा करते थे कि "यदि मेरे हाथ में देश की बागडोर होती तो अंग्रेज ही विदेशी भाषा में शिक्षा का दिया जाना बन्द कर देता। सारे अध्यापकों को स्वदेशी भाषाएँ बोलाने को मजबूर कर देता। जो आनकानी करते उन्हें बर्खास्त कर देता। मैं पाठ्य पुस्तकों के तैयार किए जाने का इन्तजार न करता।"

#### अथवा

लोकनायक जवाहरलाल नेहरू ने कहा था कि "मेरा यह सुनिश्चित मत है कि विदेशी भाषा के अनिवार्य रहते हमारे शिक्षार्थियों में राष्ट्रीय स्वाभिमान का विकास नहीं हो सकता। स्वतंत्र भारत में अंग्रेजी को अनिवार्य रखना राष्ट्रीय स्वाभिमान के प्रतिकूल है।"

29. ब्रह्मयज्ञ का अर्थ है - सन्ध्या, प्रज्वः सायं ब्रह्म प्रकार स्नान करके आत्मा तथा परमात्मा का चिन्तन करना, भ्रान्त में बैठ जपन और घटान-पान होकर ईश्वर का ओम् अथवा किसी अन्य नाम का उसमें लीन होकर जप करना। पवित्र शीतल जल से स्नान के पश्चात् सन्ध्या करके, गायत्री मन्त्र का जप, करके ईश्वर तथा आत्मा का चिन्तन करना चाहिए और यह सब कुछ ब्राह्मसूत्र में सूर्योदय से पूर्व करना चाहिए तथा शाम को सूर्यास्त से पूर्व।

#### अथवा

इसका अर्थ है माता-पिता, सास-ससुर, साधु-महात्मा, गुरुजन एवं अन्य वृद्धजन एवं अन्य वृद्धजनों की सेवा करना। हमारे ग्रन्थ पुकार-पुकार कर कहते हैं "उठो जीव शलो, खोजो कोई सुन्दर, उठभ म्बन और वहाँ भवन बनओ, धवन में पितरों को (वृद्धों को) बुलाओ, महात्माओं और विद्वानों को बुलाओ। उनसे वार्तालाप करो। उनके उपदेश पर गम्भीरता से विचार करो और प्रसन्न रहो।"

इसका अर्थ है समस्त प्राणियों के कल्याण के लिए प्रयत्न करना, दान देना। सबके लिए प्रार्थना करना, स्वयं भोजन करने से पूर्व भजनी अग्नि में या रसोई के बूँदों में मीठा मिला हुए अन्न की आहुतियाँ देना। चींटियों को आटा, धिड़ियों को चुगा, माली आदि देकर सुखी बनाने का प्रयत्न भी इसी यज्ञ के अन्तर्गत है।

30. 'खेय' बोरी को कहते हैं। अस्तेय का अर्थ है चोरी न करो। दूसरे की वस्तु को बिना उससे पूछे या बिना उसका मूल्य दिए ही लेना चोरी है।

घटिया माल को बढ़िया बताकर बेचना, मिलावट करना, कम तोलना या मापना भी चोरी है। गरीबों का स्वतंत्र चूसकर धन इकट्ठा करना, धरदूरी को कम गजदूरी देना, अपने लाभ के लिए अन्नों के भण्डार खमा करके समय देखकर कीमते बढ़ देना, रिश्तत लेना, धन और दलबल के आधार पर जनता को दबाना या देश के हितों का हनन करना सब चोरी है। ऋषियों ने कहा है - यदि सारे मनुष्य अस्त्रेय के मार्ग पर चल मड़े तब दुनिया के सारे आर्थिक संकट दूर हो जाएँ। युद्ध समाप्त हो जाएँ।

### अग्रह

परिग्रह का अर्थ है निदान संग्रह अर्थात् धन माल जोड़ते ही रहना और जोड़ते-जोड़ते मर जाना। अतः अपरिग्रह का अर्थ है गलत संग्रह न करना।

यदि हम सुख और शान्ति चाहते हैं तो हमें जरूरतों से आधिक वस्तुओं का संग्रह नहीं करना चाहिए। हमारी आवश्यकताएँ जितनी बढ़ेंगे उतनी ही समाज में अशान्ति बढ़ेगी। अनावश्यक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए हमें उल्टा सीधा धन भी इकट्ठा करना होगा। इस धन को प्राप्त करने के लिए हमें दूसरों से दुर्व्यवहार भी करना होगा। रिश्ततखोरी का जन्म इकट्ठा करने की भावना से ही हुआ है। आजकल दुनिया धन इकट्ठा करने के जाल में फँसी हुई है। स्वयं दुखी है और दूसरों को दुख दे रही है। अतः दुखों संसार के रोगों की एक मात्र दवा अनुचित संग्रह न करने की भावना (अपरिग्रह) ही है।

**D.A.V Public School, Kurukshetra**  
**Class- VIII**  
**Subject- Science**  
**Ch- Metals and Non-Metals**  
**Assignment**

1. State whether the following statements are True (T) or False (F).

- a) An element is made up of atoms of the same kind.
- b) Aluminium is least abundant metal.
- c) Concentration is the process of removal of impurities from the ore.
- d) All metals occur in liquid state except mercury.
- e) Non-metals generally have high melting and boiling points.

2. Fill in the blanks with appropriate words .

- a) Metals generally have \_\_\_\_\_ density.
- b) Metals can be beaten into sheets, i.e., they are \_\_\_\_\_ .
- c) Non-metals have \_\_\_\_\_ tensile strength.
- d) Non-metals are generally \_\_\_\_\_ conductors of electricity.
- e) Non-metals react with oxygen to form \_\_\_\_\_ oxides.

3. Match the following .

Column I	Column II
1. Noble Metals	a) Carat
2. Purity of gold	b) Alloy
3. Gun metal	c) Duralumin
4. Aircraft bodies	d) Medals
5. Bronze	e) Gold

4. Multiple choice questions

Choose the correct option :

- a) The most reactive metal is :
  - i) Iron
  - ii) Gold
  - iii) Zinc
  - iv) Potassium

- b) The liquid metal at room temperature is :  
 i) Mercury    ii) Bromine    iii) Sodium    iv) Gold
- c) Non-metals are generally :  
 i) Liquids    ii) Gases    iii) Solids and gases    iv) All of these
- d) The metal which is stored in kerosene :  
 i) Phosphorus    ii) Magnesium    iii) Sodium    iv) Zinc
- e) The non-metal which is liquid at room temperature is :  
 i) Carbon    ii) Iodine    iii) Bromine    iv) Chlorine
- f) Materials around us can be classified into  
 i) Elements and compounds    ii) Metals and non-metals  
 iii) Acids and bases    iv) None of these
- g) All metals are solids except  
 i) Sodium    ii) Calcium    iii) Mercury    iv) Hydrogen
- h) The nature of metal oxides is  
 i) Acidic    ii) Basic    iii) Neutral    iv) All of these
- i) The metal which can be cut with a knife  
 i) Sodium and potassium    ii) Barium and calcium  
 iii) Sodium and mercury    iv) Potassium and calcium
- j) When non-metals react with water then  
 i) Hydrogen gas is formed    ii) Carbon dioxide gas is formed  
 iii) Non-metals do not react with water    iv) None of these

**5. Observe the given figure and answer the following questions :**

- a) Which property of metal is shown by this figure ?  
 b) Name the articles shown in figure.  
 c) Name two metals which show this property to maximum extent.



**D.A.V. PUBLIC SCHOOL, KURUKSHETRA****ASSIGNMENT****CLASS-VIII****SUBJECT: SCIENCE TECHNOLOGY****CHAPTER-1 CELL ITS STRUCTURE AND FUNCTIONS****A. Choose the correct answer:**

- 1) The basic structural unit of all living organisms is
  - a) tissue
  - b) organ
  - c) cell
  - d) organ system
- 2) Tomatoes are red because of the presence of
  - a) chloroplasts
  - b) chromoplasts
  - c) cytoplasm
  - d) chromatin
- 3) The longest cell in human body is
  - a) nerve cell
  - b) red blood
  - c) white blood cell
  - d) skin cell
- 4) A large vacuole is present in
  - a) animal cell
  - b) plant cell
  - c) both animal and plant cell
  - d) none of these

**B. State whether the following statements are True (T) or False (F).**

- 1) An earthworm has only one cell,
- 2) The hen's egg is multicellular.
- 3) The red blood cells of human body have a cell wall,
- 4) The nucleus of a cell controls all the activities.

**C. Match the following:**

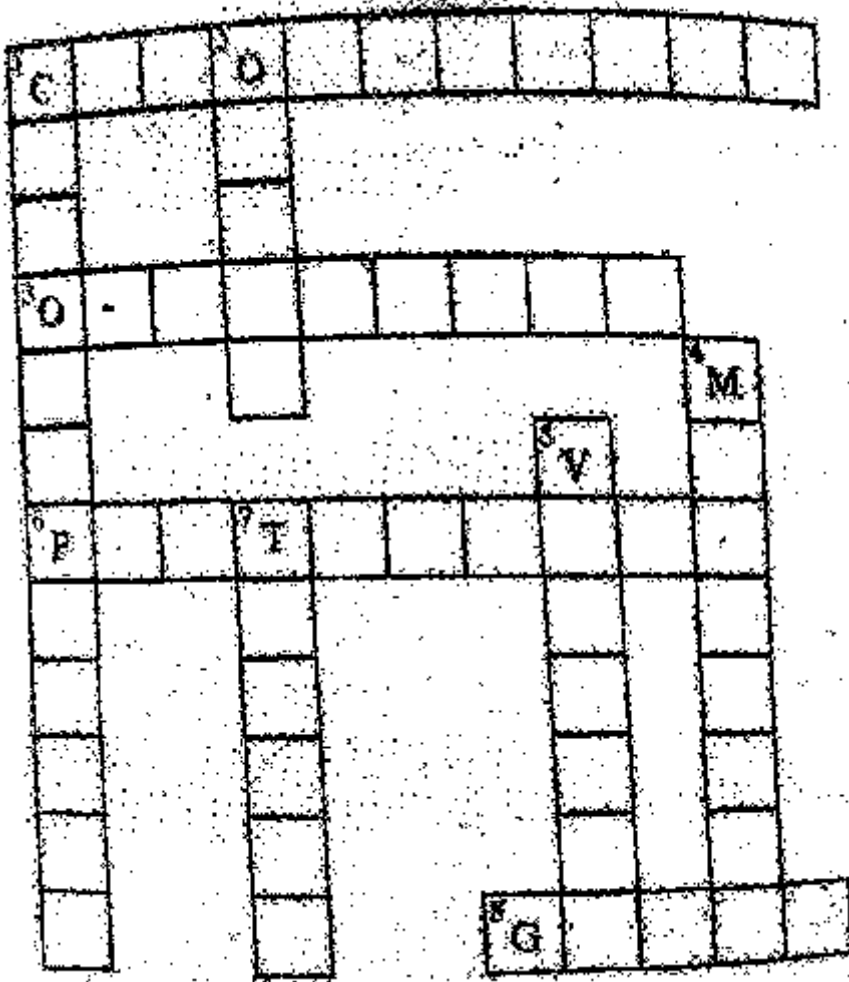
Column-1	Column-II
1. Unicellular	a) Paramecium
2. Animal Cell	b) Centrosome
3. Prokaryotes	c) No nuclear membrane
4. Amoeba	d) Nucleus
5. The largest animal cell	e) cell
6. Controlling centre of the cell	f) Unicellular
7. Locomotory Structures	g) Cilia and Flagella.
8. Plastids	h) Plant Cell
9. Robert Hooke	i) Ostrich egg

**D. Complete the crossword with the help of clues given below.****Across:**

- 1) This is necessary for photosynthesis. cytoplasm,
- 3) Term for component present in the
- 6) The living substance in the cell.
- 8) Unit of inheritance present on the chromosomes.

**Down:**

- 1) Green plastids.
- 2) Formed by collection of tissues,
- 4) It separates the contents of the cell from the surrounding medium.
- 5) Empty space in the cytoplasm.
- 7) A group of cells.



**D.A.V. PUBLIC SCHOOL, KURUKSHETRA**  
**SUMMER ASSIGNMENT**  
**CLASS-VIII**  
**SUBJECT: SCIENCE**  
**CHAPTER-2 MICRO ORGANISMS : FRIENDS AND FOES**

**1. Answer the following questions :**

- i) Define microbiology.
- ii) Who discovered the existence of bacteria?
- iii) Give two examples of:
  - a) Bacteria
  - b) Fungi
- iv) Categorise the following organisms as:
  - a) bacteria
  - b) Fungi
  - c) Algae
  - d) Protozoans

® Yeast, Cholera, Amoeba, Bread mould, Spirogyra, Staphylococcus.
- v) Which micro organisms help in formation of alcohol and vinegar?
- vi) Name the bacteria present in curd.
- vii) What is rancidity?
- viii) Name the (i) bacteria (ii) fungi that cause food poisoning.

**2. Choose the correct option from the following**

- i) What temperature is used in pasteurisation?
  - (a) below 70°C
  - (b) below 100°C
  - (c) at 72°C
  - (d) above 100°C

**3. Vacuum packed potato chips do not get spoiled because.**

- a) bacteria do not get water to grow
- b) bacteria do not get air to grow
- c) bacteria do not get salt to grow
- d) bacteria do not get sunlight to grow



4. **Female Anopheles mosquito spread**
- a) malaria  
b) dengue  
c) cholera  
d) swinflu
5. **Red rot of sugarcane is caused due to**
- a) bacteria  
b) virus  
c) fungus  
d) protozoa
6. The symptoms of a diseased plant show rust coloured orange patch infected plant parts. Identify the disease and causative agent.
- a) citrus canker, bacteria  
c) smut of rice, fungus  
b) rust of wheat, fungus.  
d) red rot of sugarcane, fungus
7. Which of the disease found in poultry?
- a) tuberculosis  
b) ringworm  
c) aspergillosis  
d) all of above
8. Which of the following diseases are fungal disease?
- a) ring worm  
b) athelet's foot  
c) both (a) and (b)  
d) tuber culosis
9. What happens when microorganisms, like bacteria and fungi, enter our body? Explain.
10. What are biological nitrogen fixers?
11. What is pasteurization? Why milk is pasteurised?

**D.A.V. PUBLIC SCHOOL, KURUKSHETRA****ASSIGNMENT****CLASS-VIII****SUBJECT: SCIENCE TECHNOLOGY****CHAPTER-1 CELL ITS STRUCTURE AND FUNCTIONS****A. Choose the correct answer:**

- 1) The basic structural unit of all living organisms is
  - a) tissue
  - b) organ
  - c) cell
  - d) organ system
- 2) Tomatoes are red because of the presence of
  - a) chloroplasts
  - b) chromoplasts
  - c) cytoplasm
  - d) chromatin
- 3) The longest cell in human body is
  - a) nerve cell
  - b) red blood
  - c) white blood cell
  - d) skin cell
- 4) A large vacuole is present in
  - a) animal cell
  - b) plant cell
  - c) both animal and plant cell
  - d) none of these

**B. State whether the following statements are True (T) or False (F).**

- 1) An earthworm has only one cell,
- 2) The hen's egg is multicellular.
- 3) The red blood cells of human body have a cell wall,
- 4) The nucleus of a cell controls all the activities.

**C. Match the following:**

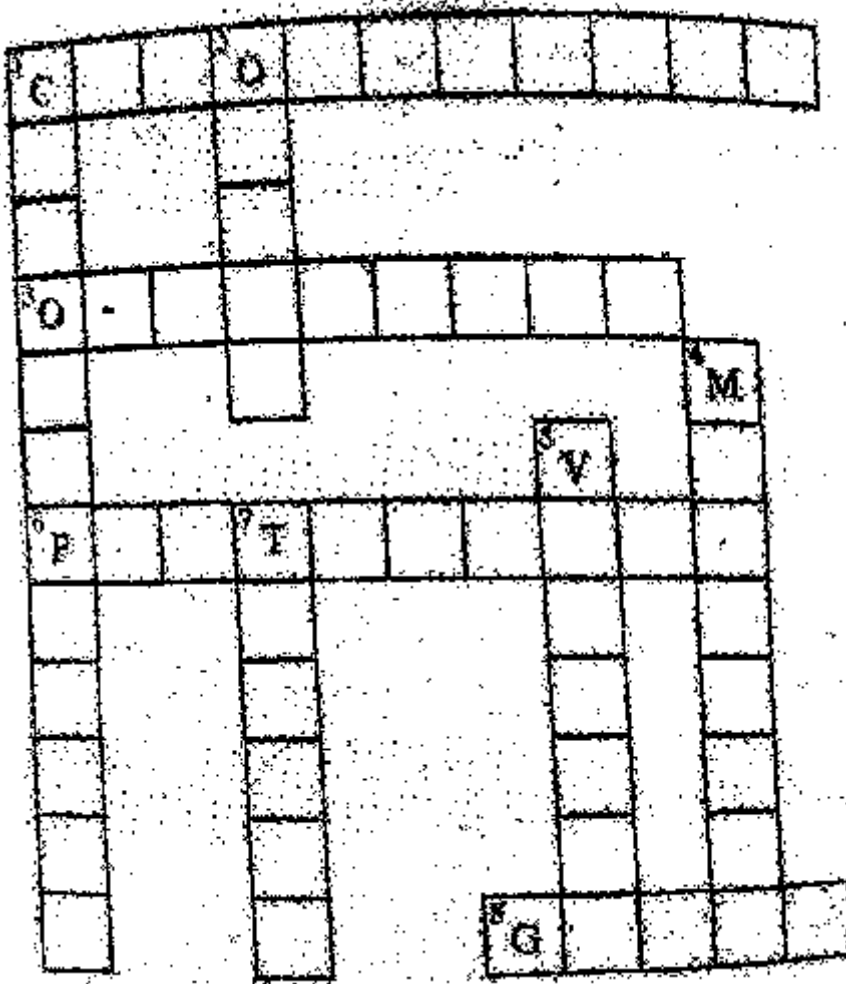
Column-1	Column-II
1. Unicellular	a) Paramecium
2. Animal Cell	b) Centrosome
3. Prokaryotes	c) No nuclear membrane
4. Amoeba	d) Nucleus
5. The largest animal cell	e) cell
6. Controlling centre of the cell	f) Unicellular
7. Locomotory Structures	g) Cilia and Flagella.
8. Plastids	h) Plant Cell
9. Robert Hooke	i) Ostrich egg

**D. Complete the crossword with the help of clues given below.****Across:**

- 1) This is necessary for photosynthesis. cytoplasm,
- 3) Term for component present in the
- 6) The living substance in the cell.
- 8) Unit of inheritance present on the chromosomes.

**Down:**

- 1) Green plastids.
- 2) Formed by collection of tissues,
- 4) It separates the contents of the cell from the surrounding medium.
- 5) Empty space in the cytoplasm.
- 7) A group of cells.



**D.A.V. PUBLIC SCHOOL, KURUKSHETRA**  
**SUMMER ASSIGNMENT**  
**CLASS-VIII**  
**SUBJECT: SCIENCE**  
**CHAPTER-2 MICRO ORGANISMS : FRIENDS AND FOES**

**1. Answer the following questions :**

- i) Define microbiology.
- ii) Who discovered the existence of bacteria?
- iii) Give two examples of:
  - a) Bacteria
  - b) Fungi
- iv) Categorise the following organisms as:
  - a) bacteria
  - b) Fungi
  - c) Algae
  - d) Protozoans

® Yeast, Cholera, Amoeba, Bread mould, Spirogyra, Staphylococcus.
- v) Which micro organisms help in formation of alcohol and vinegar?
- vi) Name the bacteria present in curd.
- vii) What is rancidity?
- viii) Name the (i) bacteria (ii) fungi that cause food poisoning.

**2. Choose the correct option from the following**

- i) What temperature is used in pasteurisation?
  - (a) below 70°C
  - (b) below 100°C
  - (c) at 72°C
  - (d) above 100°C

**3. Vacuum packed potato chips do not get spoiled because.**

- a) bacteria do not get water to grow
- b) bacteria do not get air to grow
- c) bacteria do not get salt to grow
- d) bacteria do not get sunlight to grow

4. **Female Anopheles mosquito spread**
- a) malaria  
b) dengue  
c) cholera  
d) swinflu
5. **Red rot of sugarcane is caused due to**
- a) bacteria  
b) virus  
c) fungus  
d) protozoa
6. The symptoms of a diseased plant show rust coloured orange patch infected plant parts. Identify the disease and causative agent.
- a) citrus canker, bacteria  
c) smut of rice, fungus  
b) rust of wheat, fungus.  
d) red rot of sugarcane, fungus
7. Which of the disease found in poultry?
- a) tuberculosis  
b) ringworm  
c) aspergillosis  
d) all of above
8. Which of the following diseases are fungal disease?
- a) ring worm  
b) athelet's foot  
c) both (a) and (b)  
d) tuber culosis
9. What happens when microorganisms, like bacteria and fungi, enter our body? Explain.
10. What are biological nitrogen fixers?
11. What is pasteurization? Why milk is pasteurised?

**D.A.V. PUBLIC SCHOOL, SECTOR-3, KURUKSHETRA**  
**SUBJECT - SOCIAL SCIENCE**  
**CLASS - VIII**

**CHAPTER 10 COLONIALISM: RURAL AND TRIBAL SOCIETIES**

**Note: Do Assignment in Separate Note Book:**

**Section A**

1. The \_\_\_\_\_ system was introduced under Permanent Settlement in Bengal in 1793.
  - a) Zamindari System
  - b) Ryotwari System
  - c) Mahalwari System
  - d) none
2. The system introduced by Thomas Munro in 1820 in South India was
  - a) Permanent Settlement
  - b) Ryotwari system
  - c) Mahalwari System
  - d) none
3. Which one is not a commercial crop which Britishers forced Indians to grow?
  - a) Opium
  - b) Indigo
  - c) wheat
  - d) cotton
4. The tribals who practised shifting cultivation were \_\_\_\_\_.
  - a) Khonds
  - b) Van Gujjars
  - c) Gaddis
  - d) none
5. The Khasis revolted against the English under the leadership of
  - a) Bar Manik and Tirut Singh
  - b) Sidhu
  - c) Birsa
  - d) Kanhu
6. **Fill in the blanks**
  - a) A process of introducing a new product in the market for earning profit is known as \_\_\_\_\_.
  - b) \_\_\_\_\_ are certain forests where people were not allowed to live, hunt, graze animals, cut wood without the permission under the British rule.
  - c) The Mahalwari system was introduced in Ganges valley, North-West provinces, Central India and Punjab by \_\_\_\_\_.
  - d) The company forced the farmers to grow cash crops like \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_.
  - e) Tata Iron and Steel Company is set up by \_\_\_\_\_.
7. State the aim of introducing the Land Revenue Settlements in India.
8. Name three commercial crops and two places where they were cultivated.
9. If I visit Manipur in summer holidays which tribal group I am likely to meet?

10. Indigo: neel :: gur: \_\_\_\_\_.
11. Rewrite the statement correctly- The British smuggled and sold indigo to China.
12. State whether the statement is true or false Ryots were the cultivators of land and paid revenue to company.
13. State whether the given statement is true or false and also state the reason to support the statement- The ryots were jointly responsible for the payment of revenue under the Mahalwari system.
14. \_\_\_\_\_ : Lord Cornwallis:: \_\_\_\_\_ : Holt Mackenzie
15. Complete the following statements
- The santhals of Hazaribagh led their lives by \_\_\_\_\_.
  - \_\_\_\_\_ was the biggest source of land revenue for the East India Company.
  - The English shattered the \_\_\_\_\_ economy of the tribals.
16. Match column I with column II

COLUMN I	COLUMN II
1. Van Gujjars	A. Chottanagpur
2. Gaddis	B. Assam
3. Mundas	C. Jammu and Kashmir
4. Khas	D. Himachal Pradesh

a) 1-C,2-D,3-A,4-B

b) 1-B,2-A,3-D,4-C

c) 1-D,2-A,3-B,4-C

d) 1-D,2-C,3-A,4-B

17. Match the following

COLUMN I	COLUMN II	COLUMN III
A. Khasis	a) Birsa	i. Assam
B. Santhals	b) Bar Manik & Tirut Singh	ii. Jharkhand & West Bengal
C. Mundas	c) Sidhu & Kanhu Murmu	iii. Chottanagpur

### Section B

18. Explain how the Mahalwari system proved to be curse for the peasants.
19. Who introduced the Zimandari system in Bengal? What were the main features of this system?
20. Highlight the condition of Indian farmers under the British rule which led to revolt of 1857.
21. State any three injustices handed to the Indian farmers by the British that led to revolt, rebellions even before the first war of Independence.



22. Name the following in questions related to Khasis-
- a) The state to which they belonged
  - b) Leaders
  - c) Reasons for their revolts.
23. 'The British industries flourished at the cost of Indian industries'. Justify the above statement highlighting the problems faced by cotton and silk industries.
24. Differentiate between Zamindari system and Mahalwari system.
25. Name two states where the following crops were cultivated
- a) Opium
  - b) Cotton
  - c) Sugarcane

### **Section C**

26. Explain with the help of examples that policies of British led to misery of the Tribals in India.
27. "The unjust policies of the British resulted in rebellions by the tribals in different parts of India." Support the statement with five suitable examples.
28. "Birsa Munda was real hero in the true sense and fought for his tribal group till the end. Highlight his contribution towards the Mundas.

### **Section D**

29. On the given political map of India identify and label the following:
- a) The state to which the Mundas belong
  - b) Khonds belong to Odisha
  - c) Name the state to which tribal group led by Bar Manik and Tirut Singh belonged?

**SOCIAL SCIENCE**  
**CLASS - VIII**  
**Chapter 17 Fundamental Rights, Fundamental Duties and**  
**Directive Principles of State Policy**

**Section A**

**1. Fill in the blanks:**

- a) \_\_\_\_\_ are essential element of every democratic country.
- b) The Habeas Corpus, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ filed for restoration of the Fundamental Rights. and Certiorari are writ that can be \_\_\_\_\_.
- c) To uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India is one of the \_\_\_\_\_.
- d) At present there are \_\_\_\_\_ Fundamental Duties.
- e) The Directive Principles have been grouped into \_\_\_\_\_ categories.
- f) Right to Education has become a \_\_\_\_\_.
- g) Indian secularism is related to constitutional values of \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_, \_\_\_\_\_ and \_\_\_\_\_.
- h) To secure equal pay for equal work for both men and women is one of \_\_\_\_\_ principles of Directive Principles.
- i) The Fundamental Duties were added to the constitution in the year \_\_\_\_\_.

**2. Correct the given statement:**

As per right to education the state shall provide free and compulsory education to all children in the age group 5-15 years.

**3. State true or false:**

Educational institutions can impart religious instructions to the students.

**4. The Habeas Corpus, Manadmus, prohibition Quowarranto are:**

- (i) Writ
- (ii) Fundamental Rights
- (iii) Fundamental Duties
- (iv) Directive Principles

5. Match the following

Column A

Freedom of Speech

Equality of Opportunity

Column B

Right to Equality

Right to Freedom.

6. Identify the given picture and which Fundamental Right protect this violation.



7. Read the extract and answer the question given below

'After a long period of slavery and exploitation at the hands of the Britishers people aspired for life where the mind is without fear and the head is held high where education is free and for all where every citizen have their freedom of religion and faith where the sole aim of government is welfare of the people specially the downtrodden.

List any two aspirations of people when the Indian Constitution was being framed.

8. 'Certain limitations are necessary for the meaningful enjoyment of the Fundamental Rights', justify the statement by citing one example where restriction is imposed.

9. Give the definition of the term 'Fundamental Rights'.

10. State one reason for the inculcation of Fundamental Rights in the Indian Constitution.

### Section B

11. Identify the fundamental rights violated in the following situation.

- A girl is not allowed to step out of her village for higher education in the city whereas her brother is going aboard to pursue further studies.
- If a politician in one state decides to not allow labour from other state to work in his state.
- If group of people are not giving permission to open a Telugu medium school in Kerala.

12. Even though the Directive Principles of State Policy are not justifiable it is necessary', justify the statement by explaining its significance.
13. Explain the two aspects of Indian secularism according to the constitution.
14. As a responsible student, list any three fundamental duties that one can follow even in the school premises.
15. 'Many a times, the government does not strictly follow the policy of non-interference with religious matters and practice.' Justify the statement with example.
16. "The intervention of the state in the religious and social practices of a particular religion may be aimed at eradicating certain social evils" Explain with the above statement with the help of two examples.

### **Section C**

17. Elucidate the term secularism and its significance in a democratic country like India.
18. Enlist any Five Fundamental Duties mentioned in the Indian Constitution.

**SOCIAL SCIENCE**  
**CLASS - VIII**  
**CHAPTER 4 MINERAL AND ENERGY RESOURCES**

**Do any one from the following:**

**PROJECT BASED:**

- Make a brochure of different types of minerals with detail information and pictures of their uses.
- Make a model of any one of the non conventional source of energy.
- Prepare a Project report on conventional source of energy
- Mention the steps taken by the government to use more non conventional source of energy. Paste the pictures of steps taken by the government.
- Trace the History of Contribution of Aryasamaj in field of education before independence in form of a timeline.